लखनऊ

शुक्रवार, 10 अप्रैल, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 226

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"हर दिन एक नया मौका है पिछली गलतियाँ भुलाकर आगे बढ़ने का सबसे अच्छा समय आज ही है।"

TODAY WEATHER

DAY 28° Hi

NIGHT 17° Low

संक्षेप

महिला आरक्षण बिल पर शशि थरूर का सवाल- 'मसौदा कहां है? विशेष संसद से पहले स्थिति साफ करे सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को महिला आरक्षण विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों पर स्पष्टता की मांग करते हुए कहा कि विपक्ष ने 16 अप्रैल से शुरू होने वाले विशेष संसदीय सत्र से पहले अभी तक विधेयक का मसौदा नहीं देखा है। थरूर ने एएनआई से कहा कि हमने अभी तक विधेयक का मसौदा नहीं देखा है। मुझे पता है कि वे इसके लिए 16 अप्रैल को संसद सत्र बुलाने की योजना बना रहे हैं। हमें विधेयक देखना होगा और समझना होगा कि वे क्या प्रस्तावित कर रहे हैं। हमें संघवाद, विधायिका और संसद के कामकाज पर इसके प्रभावों का पता लगाना होगा। क्या लगभग 800 महिलाएं होंगी, क्या उन्हें बोलने का मौका मिलेगा? इन सभी मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण विधेयक से संबंधित घटनाक्रमों पर विचार-विमर्श करने के लिए 10 अप्रैल को दिल्ली में अपनी कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाने जा रही है। यह कदम केंद्र सरकार द्वारा आगामी तीन दिवसीय विशेष सत्र के दौरान नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन पेश करने की योजना से पहले उठाया गया है। प्रस्तावित संशोधनों में 2011 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग करके लंबित जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया से महिला आरक्षण को अलग करना शामिल है। इससे लोकसभा की संख्या 543 से बढ़कर लगभग 816 हो सकती है, जिसमें लगभग एक तिहाई, यानी लगभग 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

'नया आधार कार्ड छह साल तक के बच्चों को ही मिले', अदालत में पीआईएल दाखिल कर नियम सख्त करने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई है। इसमें मांग की गई है कि नया आधार कार्ड जारी करने की उम्र सीमा तय की जाए। याचिका के अनुसार, नया आधार केवल 6 साल तक के बच्चों को ही मिलना चाहिए। वयस्कों और किशोरों के लिए आधार बनवाने के नियम बहुत कड़े होने चाहिए। वकील और सामाजिक कार्यकर्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने यह याचिका लगाई है। याचिका में कहा गया है कि मौजूदा व्यवस्था का फायदा उठाकर घुसपैठिये आसानी से आधार कार्ड बनवा रहे हैं। इसके बाद वे खुद को भारतीय नागरिक बताने लगते हैं। इससे देश की सुरक्षा, सरकारी संसाधनों और चुनाव प्रक्रिया को खतरा पैदा हो रहा है। याचिका में मांग की गई है कि आधार केंद्रों पर बड़े बोर्ड लगाए जाएं। इन पर साफ लिखा होना चाहिए कि आधार कार्ड केवल पहचान का सबूत है, यह नागरिकता, पते या जन्मतिथि का प्रमाण नहीं है। याचिकाकर्ता का कहना है कि अगर कोई वयस्क आधार बनवाना चाहता है, तो उसका वेरिफिकेशन एसडीएम या तहसीलदार जैसे बड़े अधिकारियों से होना चाहिए। याचिका के अनुसार, देश में अब तक 144 करोड़ से ज्यादा आधार कार्ड बन चुके हैं। इसलिए नए नियमों से असली नागरिकों को कोई नुकसान नहीं होगा। याचिका में यह भी कहा गया है कि फर्जी दस्तावेजों से आधार बनवाने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। घुसपैठिये आधार के जरिए राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसे अन्य दस्तावेज भी हासिल कर लेते हैं।

बंगाल में बीजेपी की लहर है, निर्मम सरकार जाने वाली है: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के राज को सिंडिकेट से चलने वाली सरकार बताया है, जहां कोई भी डेवलपमेंट का काम या इन्वेस्टमेंट कट मनी या कमीशन के बिना आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। यहां एक पब्लिक रैली को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने BJP शासित दूसरे राज्यों में हुए डेवलपमेंट पर बात की और भरोसा जताया कि अगर पार्टी सत्ता में आती है तो पश्चिम बंगाल भी ऐसा ही कर सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल में बीजेपी की लहर है और भवानीपुर में नंदीग्राम जैसा हाल होगा। पीएम ने सभी में जोर देकर कहा कि निर्मम सरकार जाने वाली है, बंगाल बदलाव के रास्ते पर है और ये विकसित बंगाल बनाने का चुनाव।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरे बंगाल में परिवर्तन की आंधी है।

बंगाल में टीएमसी की निर्मम सरकार है

ममता सरकार पर निशाना साधते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि टीएमसी बंगाल को नीचे ले जा रही है। इस सरकार में घुसपैठिए फले फुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार डर दिखाती है। नरेंद्र मोदी ने दूसरे राज्यों की मिसाल देते हुए कहा कि जिन राज्यों में बीजेपी की सरकार है इस बात का भरोसा पैदा करता है कि बंगाल में भी हम ऐसा विकास करके दिखाएंगे और भरोसे के साथ हम लोग भय की विदाई करेंगे। पीएम ने आगे कहा कि यहां प्राइवेट सैक्टर का नामोनिशान मिटा दिया गया है, प्राइवेट सेक्टर में नौकरियां नहीं हैं और जो थोड़ी बहुत हैं, उन्हें भी घुसपैठियों के हवाले कर दिया गया है।

अपने पाप को अगले 100 साल तक नहीं धो पाएगी टीएमसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी चुनावी सभा में टीएमसी पर कई गंभीर आरोप लगाए, उन्होंने कहा कि टीएमसी के मंत्री लूट रहे हैं। बीजेपी की सरकार आएगी, तो हर किसी को उसका हक दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीएमसी अपने पाप अगले 100 साल तक नहीं धो पाएगी। हमारी सरकार में कट और कमीशन नहीं है। साथ ही आरक्षण के मुद्दे पर भी कहा कि टीएमसी में धर्म के आधार पर आरक्षण दिया जाता है।

सीएपीएफ जवानों के सम्मान और हक के लिए राहुल गांधी का संकल्प, बोले– खत्म होगी नाइंसाफी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि जब उनकी पार्टी सत्ता में आएगी, तो वह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के कर्मियों को नेतृत्व के अवसरों से वंचित करने वाली 'भेदभावपूर्ण व्यवस्था' को समाप्त कर देगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उन्हें उनके उचित अधिकार और विशेषाधिकार प्राप्त हों। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शौर्य दिवस के अवसर पर गांधी ने कहा कि वे और कांग्रेस पार्टी दोनों सीएपीएफ कर्मियों का सर्वोच्च सम्मान करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपने ही बलों के भीतर पदोन्नति के अवसर, शीर्ष नेतृत्व पदों तक पहुंच और उचित सम्मान उनके उचित अधिकार हैं।

गांधी ने हिंदी में एक पोस्ट में कहा कि सीआरपीएफ वीरता दिवस के अवसर पर, मैं हमारे बल के साहसी और वीर सैनिकों को हार्दिक बधाई देता हूं और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। विपक्ष के नेता ने कहा कि आपका साहस और बलिदान प्रतिदिन हमारे राष्ट्र की रक्षा करते हैं। सीमाओं पर तैनात रहकर आप देश को सुरक्षित रखते हैं; आप आतंकवाद और नक्सलवाद के खतरों का सामना करते हैं; और आप यह सुनिश्चित करते हैं कि लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्योहार - हमारे चुनाव शांतिपूर्ण और सुरक्षित रहें।

उन्होंने कहा कि हालांकि, सच्ची श्रद्धांजलि केवल शब्दों से नहीं दी जा सकती। वर्षों के बलिदान, कठिन कर्तव्य और सेवा के बावजूद, सीएपीएफ कर्मियों को न तो समय पर पदोन्नति मिलती है और न ही उन्हें अपनी फोर्स का नेतृत्व करने का अधिकार, क्योंकि शीर्ष नेतृत्व पद संगठन के बाहर के व्यक्तियों के लिए आरक्षित हैं। गांधी ने आगे कहा कि सीएपीएफ कर्मियों के पास विशेष प्रशिक्षण, मूल्यवान जमीनी अनुभव और गहरी रणनीतिक समझ है।

गांधी ने तर्क दिया कि इसलिए, राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह अनिवार्य है कि इन बलों का नेतृत्व उन्हीं व्यक्तियों द्वारा किया जाए जो स्वयं इसी व्यवस्था से आते हों और सैनिकों की अनूठी चुनौतियों और आवश्यकताओं को सही मायने में समझते हों। उन्होंने कहा कि नेतृत्व के अवसरों से वंचित किए जाने से लेकर वेतन, कल्याण और सम्मान से संबंधित लंबे समय से लंबित मुद्दों का सामना करने तक, यह संस्थागत अन्याय उन सैनिकों के मनोबल को कमजोर करता है जिन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र की सेवा और सुरक्षा के लिए समर्पित कर दिया है।

अनुशासन केवल छोटे कर्मचारियों के लिए नहीं, कमिश्नर तक पर लागू होगा : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने आईटीओ स्थित स्टेट जीएसटी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। वहां कई बड़े-छोटे अधिकारी अनुपस्थित मिले। मुख्यमंत्री ने सभी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लापरवाही और अकर्मण्यता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं करेगी। उनके निरीक्षण का उद्देश्य केवल व्यवस्थाओं की समीक्षा नहीं, बल्कि सरकारी कामकाज में जवाबदेही और अनुशासन सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने कई वरिष्ठ अधिकारियों तक को तय समय पर अपनी सीटों से अनुपस्थित पाया, जिस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुशासन केवल निचले कर्मचारियों के लिए नहीं, बल्कि कमिश्नर और स्पेशल कमिश्नर स्तर तक हर अधिकारी पर समान रूप से लागू होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बायोमेट्रिक हाजिरी आवश्यक है और सभी विभाग सुनिश्चित करें कि बायोमेट्रिक सिस्टम का गंभीरता से पालन हो। मुख्यमंत्री ने मौके पर निर्देश जारी किए कि जो भी स्टाफ अनुपस्थित है, उन्हें तुरंत कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों की उपस्थिति का अपडेट मांगा और बायोमेट्रिक आधार पर पिछले एक महीने का रिकॉर्ड तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि जिम्मेदारी तय की जा सके।

सीओपी 33 की मेजबानी से भारत का यू टर्न, जयराम रमेश बोले–पीएम मोदी की कथनी–करनी में फर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (UNFCCC) के 33वें पक्षकारों के सम्मेलन (COP 33) की मेजबानी का प्रस्ताव 2028 में वापस लेने के भारत सरकार के हालिया फैसले पर चिंता जताई है। रमेश का यह बयान 2015 के पेरिस समझौते के बाद जलवायु पहलों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की आलोचना के बीच आया है। इस प्रस्ताव को वापस लेने की घोषणा 2 अप्रैल, 2025 को एशिया-प्रशांत समूह को दी गई थी। भारत सरकार ने इससे पहले दिसंबर 2023 में संयुक्त अरब अमीरात में COP-28 के उच्च स्तरीय सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के दौरान COP 33 की मेजबानी करने की अपनी मंशा का संकेत दिया था।

रमेश ने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्यों के प्रति सरकार की

प्रतिबद्धता पर संदेह व्यक्त किया और कहा कि प्रस्ताव वापस लेने का निर्णय जलवायु प्रतिबद्धताओं के प्रति गंभीरता की कमी को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आगामी 2029 के आम चुनावों से पहले चुनावी लाभ के लिए COP 33 का इस्तेमाल करना चाहती है। कांग्रेस सांसद रमेश ने सोशल मीडिया पर दिसंबर 2023 में मोदी द्वारा की गई घोषणा को उजागर किया, जिसमें प्रधानमंत्री ने गर्व से कहा था कि भारत वैश्विक जलवायु सम्मेलन की मेजबानी करेगा। रमेश ने हालिया वापसी के साथ इस वादे की संगति पर सवाल उठाते हुए सुझाव दिया कि सरकार की मंशा राजनीतिक हो सकती है। रमेश के बयान में अंतरराष्ट्रीय जलवायु समझौतों के निहितार्थों की ओर भी इशारा किया गया। उन्होंने आगामी अंतरसरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल (आईपीसीसी) की सातवीं आकलन रिपोर्ट के महत्व पर प्रकाश डाला, जो 2028 से पहले जारी होने वाली है, और जलवायु परिवर्तन पर कड़ी कार्रवाई की संभावित मांगों का उल्लेख किया, जिससे मेजबान देश के रूप में भारत पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता था। सम्मेलन की मेजबानी से अचानक हटने के फैसले के कोई विशिष्ट कारण सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। पारदर्शिता की इस कमी ने जलवायु नीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के संबंध में सरकार के इरादों पर और सवाल खड़े कर दिए हैं।

मणिपुर में बम हमले के खिलाफ उग्र प्रदर्शन, कर्फ्यू के बावजूद सड़कों पर उतरे हजारों लोग

मणिपुर, एजेंसी। मणिपुर के घाटी क्षेत्रों के पांच जिलों में कर्फ्यू को दरकिनार करते हुए हजारों लोगों ने बम हमले के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाकर विरोध जताया और दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। इस हमले में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई थी। इंफाल पश्चिम जिले के टिड्डिम लाइन में ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन (AMUCO) के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने घटना की निंदा करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। हालांकि सुरक्षा बलों ने रैली को क्वाकेइथेल के पास आगे बढ़ने से रोक दिया। बाद में संगठन के प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से मिलने ले जाया गया। 7 अप्रैल को बिष्णुपुर जिले के त्रोंगलाओबी इलाके में संदिग्ध उग्रवादियों ने एक घर पर बम फेंका था, जिसमें 5 साल के बच्चे और उसकी 6 महीने की बहन की मौत हो गई थी। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने सीआरपीएफ कैंप पर हमला कर तोड़फोड़ और वाहनों में आगजनी की। स्थिति को काबू करने के लिए सुरक्षा बलों की ओर से की गई फायरिंग में तीन प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए।

कई इलाकों में प्रदर्शन और झड़पें

आज इंफाल पश्चिम के समुरोउ में प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। बिष्णुपुर के मोइरांग लामखाई और निंगथौखोंग में टायर जलाकर सड़क जाम किया गया। इंफाल पूर्व, थौबल और काकचिंग जिलों में भी इसी तरह के प्रदर्शन देखने को मिले। बुधवार रात इंफाल पूर्व के खुरई लामलोंग में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई, जहां भीड़ ने पथराव किया।

ट्रंप की जैसी भाषा, वैसी तो किसी को भी शोभा नहीं देती...यूएस राष्ट्रपति पर उमर अब्दुल्ला का बड़ा हमला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ईरान से जंग को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि लड़ाई से अमेरिका और दुनिया को हासिल क्या हुआ। ट्रंप को इजराइल पर कंट्रोल करना होगा, जिससे वो लेबनान पर हमला ना करे। उमर ने ट्रंप की भाषा पर भी सवाल उठाए। उन्होंने एक राष्ट्रपति के लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना शोभा नहीं देता। ये किसी के लिए भी शोभा नहीं देता।

उमर अब्दुल्ला ने कहा, मैंने तो पिछले दिनों कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति के बयानों का पता ही नहीं चलता। मुझे लगता है उनको खुद भी पता नहीं है वो क्या कर रहे हैं। सुबह उठके एक बात करते हैं, दोपहर को दूसरी बात, शाम को तीसरी बात और जिस तरह की लैंग्वेज का वो इस्तेमाल करते हैं, मैं तो कहता हूं वो अमेरिका के राष्ट्रपति तो छोड़िए, वो किसी को शोभा नहीं देती।

'हमें तो ब्लॉक कर देंगे'

सीएम ने कहा कि ट्रंप को याद करना चाहिए कि वो अमेरिका के राष्ट्रपति हैं। जिस तरह सोशल मीडिया पर गाली-गलौज, आप और मैं... अगर उस तरह की लैंग्वेज इस्तेमाल करें तो हमें तो ब्लॉक कर देंगे। हमारा अकाउंट सीज कर देंगे। हमें वो फेसबुक और ट्विटर वगैरह से खारिज कर देंगे। वह अमेरिका के राष्ट्रपति हैं, लोग डरते हैं, इस वजह से कोई कार्रवाई नहीं हो सकती और बार-बार धमकी देना क्या?

जंग से हासिल क्या हुआ?

उमर अब्दुल्लाह ने आगे कहा, ट्रंप ये बताएं कि जंग के पीछे मकसद क्या था? क्योंकि अब सीजफायर के बाद अमेरिका ने कहा कि हमारी बहुत बड़ी कामयाबी हुई, हॉर्मुज स्ट्रेट खुला। तो ये तो पहले से खुला था और सबके मुफ्त था। इस जंग के बाद अब ईरान को मौका मिला, वो अब टोल टैक्स ले रहा है। तो फिर हासिल क्या हुआ? नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने कहा कि ट्रंप को इजराइल पर कंट्रोल करना पड़ेगा। वो जिस तरह लेबनान पर बमबारी कर रहा है, जिस तरह बेगुनाह लोगों को मारा जा रहा है, आपको क्या लगता है सीजफायर होगा? अगर संघर्षविराम कामयाब नहीं होता तो इसमें ईरान का कसूर नहीं होगा सिर्फ और सिर्फ इजराइल का कसूर होगा।

महापुरुषों की मूर्तियों को नहीं पहुंचा पाएगा कोई नुकसान, मंत्री अनिल कुमार बोले– योजना को कैबिनेट की मंजूरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने महापुरुषों के सम्मान और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिसको लेकर मुरादाबाद जिले के प्रभारी मंत्री अनिल कुमार ने बताया कि कैबिनेट बैठक में डॉ। बी।आर। अंबेडकर सहित अन्य महापुरुषों की सार्वजनिक प्रतिमाओं के सौंदर्यीकरण और सुरक्षा के लिए भारी बजट को मंजूरी दी गई है।

अक्सर असामाजिक तत्वों द्वारा मूर्तियों को खंडित करने से उपजे विवाद और बिगड़ती कानून व्यवस्था को देखते हुए अब इन स्थलों पर बाउंड्री वॉल और छज्जे का निर्माण कराया जाएगा, इस योजना के प्रथम चरण में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मंत्री अनिल कुमार ने स्पष्ट किया कि इस कदम से न केवल दलित और बहुजन महापुरुषों का सम्मान सुरक्षित होगा, बल्कि प्रदेश में आपसी भाईचारा भी बना रहेगा। अनिल कुमार ने इसे 9 वर्षों से जारी विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया।

विपक्ष पर हमला और NDA की मजबूती

प्रभारी मंत्री अनिल कुमार ने विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सपा सांसद रुचि वीरा के पास अब जनता को बताने के लिए कुछ शेष नहीं है, इसलिए वे केवल बयानबाजी कर रही हैं। उन्होंने अखिलेश यादव के PDA फॉर्मूले को भ्रमित करने वाला बताया और कहा कि जनता 2012 से 2017 के बीच के कुशासन को भूली नहीं है। मंत्री ने दावा किया कि असम और पश्चिम बंगाल सहित पूरे देश में NDA गठबंधन अत्यंत मजबूत स्थिति में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों के दम पर आगामी चुनावों में गठबंधन ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगा, क्योंकि देश की जनता अब केवल विकास और राष्ट्रवाद की राजनीति पर विश्वास कर रही है।

'300 से अधिक सीटें जीतेगा NDA'

मंत्री ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि 2017 के बाद से प्रदेश में कानून व्यवस्था और बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव आए हैं। इसी का परिणाम है कि जनता ने दोबारा बीजेपी पर भरोसा जताया। अनिल कुमार ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि NDA 300 से अधिक सीटें जीतकर पुनः सरकार बनाएगी।

111 विधायकों के मुंह पर ताला लगा है... एआईएमआईएम नेता का सपा पर बड़ा हमला

आर्यावर्त क्रांति

मुरादाबाद। मुरादाबाद में आयोजित AIMIM की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली के हालिया विवादित बयान पर सफाई देते हुए पार्टी नेता शादाब चौहान ने विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया है। शादाब चौहान ने कहा कि शौकत अली के बयान का संदर्भ चाहे जो भी हो, लेकिन आज की कड़वी सच्चाई यह है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में बैठे 111 विपक्षी विधायकों के मुंह पर ताला लगा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि चाहे मॉब लिंचिंग की घटनाएं हों, कुरैशी समाज पर हमले हों या वक्फ और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने का मामला, ये विधायक पूरी तरह खामोश रहते हैं।

शादाब ने कहा कि अगर सदन में मजलिस के 11 विधायक भी पहुंच गए, तो वे मुख्यमंत्री की आंख में आंख डालकर बात करेंगे। बैठक के दौरान 2027 के विधानसभा चुनाव का रोडमैप साझा करते हुए चौहान ने बताया कि पार्टी ने अब तक 50 लाख सदस्य जोड़ लिए हैं। अब बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत किया जा रहा है, जून माह से बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी के दौरों की शुरुआत के साथ ही चुनावी बिगुल फूंक दिया जाएगा।

शादाब ने समाजवादी पार्टी को 'भाजपा की मददगार' बताते हुए कहा कि अखिलेश यादव के पास मुस्लिम समाज को नेतृत्व देने के लिए बड़ा दिल नहीं है। मुरादाबाद और रामपुर के मौजूदा सांसदों को 'मैच फिक्सिंग' का खिलाड़ी बताते हुए उन्होंने जनता से अपील की कि वे अब इस 'सियासी गुलामी' से बाहर निकलकर अपने हक के लिए मजलिस का साथ दें।

शौकत अली जी के बयान का संदर्भ अलग हो सकता है, लेकिन हमारा मकसद साफ है। आज सदन में मौजूद 111 विधायकों के मुंह पर ताला लगा हुआ है। चाहे मुसलमानों की मॉब लिंचिंग हो, कुरैशी भाइयों पर हमला हो या वक्फ का मामला, ये सब चुप हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई आवाज उठा रही है, तो वह हमारी पार्टी है। हमारे 11 विधायक भी होंगे, तो हम मुख्यमंत्री की आंख में आंख डालकर बात करेंगे, हम डरते नहीं हैं। शादाब ने कहा कि हमने अब तक 50 लाख सदस्य बनाए हैं और अब बूथ स्तर पर सक्रिय सदस्यता अभियान चल रहा है। जून तक तमाम तैयारी करके हम बैरिस्टर साहब (असदुद्दीन ओवैसी) के दौरे शुरू करवाने वाले हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव में मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन बहुत ही प्रभावशाली तरीके से लड़ेगी।

इश्क का खौफनाक अंत: प्रेमिका की हत्या के बाद मासूम को भूसे में दबाकर जलाया, इसलिए पत्थर से बिगाड़ दिया चेहरा

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। झांसी के लहचूरा के बरौटा गांव में दिल दहलाने वाला दोहरा हत्याकांड सामने आया है। यहां एक युवक ने विवाद के बाद प्रेमिका समेत उसके तीन साल के मासूम बेटे की कुल्हाड़ी से काटकर नृशंस हत्या कर दी। पहचान मिटाने के लिए प्रेमिका के चेहरे को पत्थर से कुचल दिया। रविवार दोपहर गांव के बाहर मिला शव उसी प्रेमिका का निकला। वहीं, मासूम के शव को उसने पास के खेत में भूसे के ढेर में दबा दिया था। मंगलवार रात युवक ने भूसे के ढेर में आग लगा दी थी। पुलिस को किसी तरह इसकी भनक लग गई। बुधवार देर-रात आरोपी चतुर्भुज को मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

बरौटा गांव निवासी चतुर्भुज पटेल (40) उर्फ राजीव झांसी में रहकर ब्लिंकिट में काम करता था। उसका भाई संजीव ग्राम प्रधान रह चुका है। चतुर्भुज की पहली पत्नी नेहा की मौत के बाद वर्ष 2015 में उसने टहरौली निवासी हेमलता से शादी कर ली। हेमलता से उसे एक पुत्र है लेकिन, कुछ समय बाद हेमलता से उसका विवाद होने लगा। हेमलता उसे छोड़कर दिल्ली जाकर रहने लगी। चतुर्भुज यहां अकेले रहता था। गांव का एक युवक गुरुग्राम में गार्ड है। उसके जरिये उसकी पहचान गुरुग्राम निवासी नीलू (35) से हो गई। नीलू शादीशुदा थी। उसके एक पुत्र कृष्णा (3) था। नीलू को भी उसके पति ने छोड़ दिया था। कुछ महीने पहले चतुर्भुज गुरुग्राम में जाकर नीलू के साथ रहने लगा था। चतुर्भुज पिछले सप्ताह नीलू एवं कृष्णा को लेकर यहां चला आया।

क्षेत्राधिकारी जितेंद्र सिंह के मुताबिक चतुर्भुज गुस्सैल के साथ सनकी स्वभाव का है। तीन अप्रैल की रात पैसों को लेकर उसका नीलू से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर शराब के नशे में चतुर्भुज ने पास में रखी कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ नीलू के सिर पर कई वार कर डाले। शोर शराबा सुनकर कृष्णा जागकर रोने लगा। उस समय भी चतुर्भुज के सिर पर खून सवार था। उसने कृष्णा को भी मौत के घाट उतार दिया। अपने कमरे में ही दोनों के शव को दिनभर रखे रहा। रात होने पर नीलू के शव को सड़क किनारे फेंक दिया जबकि कृष्णा के शव को रामस्वरूप के खेत में भूसे में दबा दिया था।

मिशन शक्ति रजिस्टर के पन्ना नंबर 37 के सहारे पहुंची पुलिस

हत्यारोपी शातिर चतुर्भुज ने पुलिस से बचने के लिए नीलू का चेहरा पत्थर से बुरी तरह कुचल दिया था। नीलू को पूरे गांव में कोई नहीं जानता था। ऐसे में पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती उसके शिनाख्त की थी। शिनाख्त के लिए पुलिस ने काफी हाथ पांव चलाए लेकिन, उसे कामयाबी नहीं मिली।

आसपास के गांव का भी कोई आदमी उस कद-काठी को देखकर पहचान नहीं सका। ऐसे में लहचूरा थाना प्रभारी सरिता मिश्रा ने थाने में रखे मिशन शक्ति के रजिस्टर का सहारा लिया। उसमें दर्ज महिलाओं को उन्होंने तलाशना शुरू किया। एक-एक करके पिछले करीब एक साल में शिकायत करने वाली महिलाओं से बात की।

तीन दर्जन से अधिक महिलाओं से बात करते करते जब वह पन्ना नंबर 37 पर पहुंचीं तब उसमें बरौटा गांव निवासी हेमलता का नाम मिला। थाना प्रभारी सरिता मिश्रा के फोन पर हेमलता ने ही चतुर्भुज के बारे में बताया। हेमलता ने बताया कि चतुर्भुज उसका पति है। उसके दूसरी महिलाओं से संबंध हैं।

विरोध करने पर शराब पीकर अक्सर उसके साथ मारपीट करता है। हेमलता ने ही पुलिस को बताया कि चतुर्भुज कुछ दिनों पहले बाहर से एक महिला और बच्चे को लेकर गांव आया है। उन दोनों के बीच विवाद की बात भी हेमलता ने पुलिस को बताई। बरौटा गांव का नाम सुनकर पुलिस का माथा ठनका।

सबूत मिटाने के लिए जलाया मासूम का शव

बेहद शातिर हत्यारोपी चतुर्भुज को जैसे ही पुलिस के गांव पहुंचने की बात मालूम चली, उसने जहां कृष्णा के शव को भूसे के ढेर में दबाया था, वहां मंगलवार रात पहुंचकर आग लगा दी। आग लगने के बाद भी कृष्णा का शव पूरी तरह से जल नहीं सका। उसका कुछ हिस्सा बचा रह गया था।

एसएसपी बीबी जीटीएस मूर्ति ने बताया कि चतुर्भुज का सुराग मिलने के बाद पुलिस तलाश रही थी। बुधवार रात मुठभेड़ के दौरान वह घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

केएनआईटी के प्रवक्ता एस.पी. कुटार ने दी आत्महत्या की धमकी

सुल्तानपुर। केएनआईटी के प्रवक्ता एस.पी. कुटार ने दी आत्महत्या की धमकी। बताते चले केएनआईटी में पदोन्नति संबंधी दर्जनों प्रकरण विचाराधीन थे, जिसमें संस्थान ने नियम संगत कार्यवाही करते हुए करते हुए अरुणी सिंह ,अवधेश कुमार, राकेश कुमार सिंह, सुमन पांडेय एवं धर्मेंद्र लाल गुप्ता की पत्रावली का निस्तारण कर इंक्रीमेंट प्रदान किया। पदोन्नति से संबंधित सभी प्रकरणों का निस्तारण शासनादेश के अनुकूल और माननीय न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में किया गया। बिना पीएचडी किए हुए प्रवक्ताओं के पदोन्नति के प्रकरण को नियमानुसार शासन को प्रेषित किया गया। रेगुलर वेतन संस्थान की समस्त कार्मिक को प्रदान किया जा रहा है। संस्थान में आंतरिक गुटबंदी बहुत ज्यादा है। जिलाधिकारी महोदय को स्वतः संज्ञान लेकर स्वतः इसकी निष्पक्ष जांच करानी चाहिए।

कंपोजिट मदिरा की दुकान को लेकर व्यापारियों और नागरिकों में आक्रोश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शहर के गोराबारिक क्षेत्र में स्थित कंपोजिट मदिरा की दुकान को लेकर स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, उत्तर प्रदेश के बैनर तले व्यापारियों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर दुकान के संचालन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। व्यापारियों का आरोप है कि दुकान पर शराब खरीदने आने वाले लोग परिसर के बाहर ही खड़े होकर शराब का सेवन करते हैं, जिससे क्षेत्र का माहौल बिगड़ रहा है। नशे में धुत लोग गाली-गलौज करते हैं और कई बार अशोभनीय हरकतें करते हैं, जिससे खासकर महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा1 है।बताया गया कि दुकान के पास ही अस्पताल, मंदिर और मस्जिद जैसे महत्वपूर्ण स्थल स्थित हैं। इसके बावजूद दुकान

के बाहर ही शराब पिलाने की व्यवस्था किए जाने से धार्मिक और सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। साथ ही सड़क किनारे वाहनों के खड़े होने से यातायात व्यवस्था भी बाधित हो रही है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि दुकान के कर्मचारी ग्राहकों को पानी, गिलास आदि उपलब्ध कराते हैं, जिससे वे वहीं बैठकर शराब पीते हैं। विरोध करने पर दुकानदार और कर्मचारी अभद्रता करते हैं और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देते हैं।उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मामले की जांच कर संबंधित दुकान के लाइसेंस की समीक्षा की जाए और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही दुकान के बाहर शराब पीने पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने की मांग की गई है।इस दौरान प्रदेश महामंत्री मनोज अग्रवाल, जिलाध्यक्ष खलीक खान, रहमान, मो. आजाद खान, नन्हे लाल समेत दर्जनों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विशाल भंडारा का किया गया आयोजन, भक्ति भाव से श्रद्धालुओं ने भंडारा में किया सहयोग

सुल्तानपुर। थाना गोसाईगंज के गेड़ौरा गांव में रविवार को श्री रामदूत अतुलित बलशाली पवनसुत श्री हनुमान जी महाराज के नवनिर्मित मंदिर के उपलक्ष्य में एक विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। वर्षों पहले भव्य हनुमान मंदिर के लिए देखा गया सपना गांव के लोगों व क्षेत्र वासियों के सहयोग से साकार हुआ सपने को साकार हुआ देख गांव के लोगों व क्षेत्र वासियों में खुशी की लहर हैं। यद्यपि मंदिर निर्माण में सभी का सहयोग सराहनीय हैं परन्तु कपिल देव पाण्डेय की भूमिका अविस्मरणीय और अत्यंत सराहनीय हैं जैसे हनुमान जी को रामभक्ति के अतिरिक्त कोई दूसरा लक्ष्य नहीं वैसे ही कपिल देव पाण्डेय को हनुमान मंदिर निर्माण के अतिरिक्त कोई दूसरा लक्ष्य कभी दिखा ही नहीं उनके इसी लगन अथक परिश्रम और श्रद्धा भाव के परिणामस्वरूप अब श्री हनुमान जी महाराज मंदिर में विराजमान हैं।

पाकिस्तानी हैंडलर्स के लिए काम कर रहा मेरठ का आकिब, दुबई से ही वेस्ट यूपी के कई युवाओं को बना चुका गुर्गा

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मवाना के सठला गांव का संदिग्ध आतंकी आकिब दुबई में बैठकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहा है। उसने बुधवार को इंस्टाग्राम लाइव के जरिए संरक्षित पशु का नाम लेकर आपत्तिजनक भड़काऊ बातें कही हैं। उसने एक बार फिर धमकी दी है। लखनऊ एटीएस (एंटी टेररिस्ट स्क्वाड) ने उसके खिलाफ पहले से ही लुकआउट नोटिस जारी किया है। मेरठ पुलिस भी जांच में जुट गई है।

एटीएस ने दो अप्रैल को पाकिस्तानी हैंडलर्स के इशारे पर देश में हमलों की साजिश रचने वाले मॉड्यूल का खुलासा किया था। इस दौरान परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के गांव अगवानपुर निवासी साकिब, अरबाब, गौतमबुद्धनगर के लोकेश और विकास को गिरफ्तार किया गया था। सभी आरोपियों को एटीएस रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है।

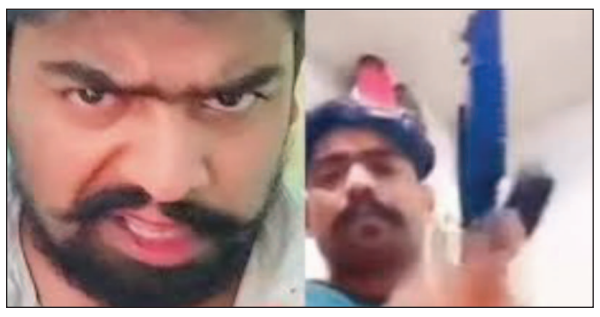

पूछताछ में सामने आया है कि दुबई में बैठे आकिब ने ही साकिब का पाकिस्तानी हैंडलर्स से संपर्क कराया था। उसके बाद साकिब अपना नेटवर्क यूपी के कई शहरों के अलावा दिल्ली, हरियाणा में भी खड़ा करने में जुटा था। आकिब अभी भी दुबई में बैठकर सोशल मीडिया पर लगातार लाइव धमकी दे रहा है। उसने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर आकर कहा था कि कुछ लोग उसे आतंकी बता रहे हैं और कुछ लोग कह रहे हैं कि मेरे संबंध आसिम मुनीर से हैं। अगर आसिम मुनीर से मेरे संबंध होते तो इतने ड्रोन मारता कि...। उसने गोली मारने की भी धमकी दी। उसने न्यूज चैनलों को भी धमकी दी थी।

टेलीग्राम पर ग्रुप बनाकर युवाओं को जोड़ा

साकिब दुष्कर्म को दुष्कर्म के मामले में जेल भेजा गया था। इस केस में जमानत मिलने के बाद वह आकिब के संपर्क में आ गया। वह हैदराबाद चला गया और सैलून पर काम करने लगा। इसी दौरान वह आकिब के इशारे पर टेलीग्राम पर ग्रुप बनाकर युवाओं को आतंकी व जासूसी गतिविधियों में जोड़ने का काम करने लगा था।

द्वेष भावना फैलाकर युवाओं को जोड़ रहे आरोपी

आरोपियों ने टेलीग्राम पर कई ग्रुप बनाए हैं। इन पर आरोपी गोरक्षा दल, बजरंगदल और विहिप परिषद की कार्रवाइयों का हवाला देकर द्वेष भावना फैलाकर युवाओं को अपने साथ काम करने के लिए उकसा रहे हैं। आरोपियों के उकसावे में आकर कई युवा न केवल इनसे जुड़ गए हैं बल्कि सोशल मीडिया के जरिए धार्मिक उन्माद फैलाने लगे हैं। पांच माह पहले गाजियाबाद में संरक्षित पशु को लेकर एक युवती ने भड़काऊ बातें की थीं। इस पर गोरक्षक दक्ष चौधरी व अन्य कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया था। इस युवती के पक्ष में भी आकिब ने वीडियो बनाया था।

मासूम को पानी में डुबोकर मारा, फिर पत्थर से कुचला चेहरा, ट्रेन में बैठने से पहले मौत की पुष्टि करने आई मां

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा के छत्ता थाना इलाके में यमुना किनारा मार्ग पर नाले में मृत मिली बच्ची की पहचान हो गई। बच्ची को उसकी मां ने ही पानी में डुबोकर हत्या की थी। पहचान छिपाने के लिए चेहरा भी पत्थर से कुचल दिया था।

पुलिस का कहना है कि अवैध संबंध का विरोध करने पर पति से विवाद होने के बाद महिला ने वारदात को अंजाम दिया। वह नहीं चाहती थी कि प्रेमी के साथ जाने के दौरान बेटी किसी तरह की बाधा बने। इस कारण ही उसकी जान ले ली।

मंगलवार रात यमुना किनारा मार्ग स्थित यमुना आरती स्थल के पास नाले में डेढ़ वर्षीय बच्ची का शव मिला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर शिनाख्त के प्रयास शुरू किए थे। रात में बच्ची के पिता नाई की मंडी स्थित धाकरान निवासी रामू धाकड़ आए।

उन्होंने बताया कि वह चांदी की चेन के कारीगर हैं। बेटी लापता है। उसे ढूंढ रहे हैं। पुलिस ने नाले में मिली बच्ची की फोटो दिखाई तो उन्होंने उसे पहचान लिया। डेढ़ वर्षीय बेटी खुशी के रूप में शिनाख्त की। पोस्टमार्टम गृह पर शव दिखाया गया तो वह रोने लगे।

उन्होंने बताया कि पत्नी ममता सुबह 11:30 बजे बेटी को दवा दिलाने के लिए निकली थी। बच्ची की मां पर ही हत्या करने का शक जताया। देर रात बच्ची की मां खुद ही घटनास्थल पहुंच गई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को शव पोस्टमार्टम के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया। देर शाम परिजन ने अंतिम संस्कार किया।

बिहार से शादी कर लाया था

हत्यारोपी ममता के पति रामू धाकड़ ने बताया कि बिहार के रहने वाले कुछ लोगों से जान पहचान है। उन्होंने रिश्ते की बात की थी। 24 नवंबर, 2023 को वह परिवार के साथ बिहार के चंपारड़ गए थे। वहां पर शादी की। नवंबर 2024 में बेटी हुई। पत्नी कुछ समय से किसी व्यक्ति से फोन पर बात करती थी। कई बार बिना बताए घर से चली जाती थी। इस बात को लेकर उसका पत्नी से विवाद होता था। वह बार-बार बेटी को छोड़कर वापस बिहार जाने के लिए कहती थी। मंगलवार सुबह भी इसी कारण झगड़ा हुआ था। वह काम पर चले गए थे। सुबह 11:30 बजे ममता उनके भाई और भाभी से बच्ची को बीमार बता दवा दिलाने की बोलकर निकली थी। पता नहीं था कि वह बेटी की हत्या कर देगी।

सगी मां के बेटी की हत्या करने की जानकारी के बाद क्षेत्र में हर कोई उसे कोस रहा है। मासूम की मौत के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। सब एक ही बात कर रहे थे कि जिन बेटी को जन्म दिया। उसी को मार डाला। मामले का पता चलने के बाद मायके वालों ने भी बेटी से कोई संबंध रखने से मना कर दिया है।

ट्रेन में बैठने से पहले मौत की पुष्टि करने आई

पुलिस की पूछताछ में हत्यारोपी ममता ने बताया कि पति से विवाद के बाद बच्ची को लेकर निकलने के बाद वह परेशान थी कि आगे वह कहां जाए। बेटी खुशी को लेकर वह भटकना नहीं चाहती थी। घूमते हुए यमुना किनारा पहुंचने पर बेटी रोने लगी। इस पर गुस्सा आ गया। उसे भी लग रहा था कि जिस युवक से वह बात करती है, वह बेटी के साथ उसे स्वीकार नहीं करेगा।

इससे ही उसने बेटी को नाले में फेंक दिया। इसके बाद उसका मुंह पानी के अंदर ही दबा दिया। बेटी के शरीर से हरकत बंद हुई तो उसे बाहर निकाला। पहचान छिपाने के लिए वहीं पास रखा पत्थर उठाकर बेटी के चेहरे पर मार दिया।

वह बिहार जाने के लिए टूंडला पहुंच गई थी। इस बीच उसे शक हुआ कि कहीं बेटी जिंदा न हो, इसलिए वह मौत की पुष्टि करने दोबारा घटनास्थल पहुंची थी। मौके से पुलिस ने उसे पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे जघन्य अपराध करने पर अफसोस हो रहा है।

प्राथमिकी दर्ज कर हो रही कार्रवाई

बच्ची की हत्या करने वाली मां को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार किया है। महिला के पति की तहरीर पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

– शेषमणि उपाध्याय, एसीपी छत्ता

निजी स्कूलों की 'लूट' के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद में निजी विद्यालयों की मनमानी और अभिभावकों के कथित आर्थिक व मानसिक शोषण के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर धरना दिया।

प्रदर्शन के दौरान अभिषेक सिंह राणा ने आक्रामक तेवर अपनाते हुए निजी स्कूलों पर शिक्षा को धंधा बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रेशन, एडमिशन फीस, किताब-कॉपी और ड्रेस के नाम पर अभिभावकों से खुलेआम वसूली की जा रही है, जिससे आमजन परेशान हैं। उन्होंने प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह वसूली तंत्र प्रशासन की शह पर चल रहा है। बताया कि बीते दिनों मांग पत्र देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिसके चलते कांग्रेस कार्यकर्ताओं को धरने पर बैठना पड़ा। धरने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे आला अधिकारी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को समझाने और मामले को शांत कराने में जुटे रहे। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक नहीं लगाई गई, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

सोशल मीडिया पर फर्जी पोस्ट से सियासी हलचल, आपना दल (एस) जिलाध्यक्ष ने दी शिकायत

सुलतानपुर। जनपद में सोशल मीडिया पर वायरल एक कथित फर्जी पोस्ट ने सियासी माहौल गरमा दिया है। आपना दल (एस) के जिलाध्यक्ष एवं अधिवक्ता राकेश वर्मा ने इस मामले में जिला प्रशासन को लिखित शिकायत देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत पत्र के अनुसार, विधान सभा क्षेत्र 191 कादीपुर से जुड़ी एक फेसबुक पोस्ट में पार्टी के एक नेता के नाम और फोटो का दुरुपयोग कर भ्रामक एवं आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित की जा रही है। आरोप है कि इस पोस्ट के जरिए पार्टी की छवि धूमिल करने और आम जनता को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। राकेश वर्मा ने अपने पत्र में स्पष्ट किया कि संबंधित पोस्ट पूरी तरह फर्जी है और इसका पार्टी या उसके किसी अधिकृत पदाधिकारी से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतें न सिर्फ राजनीतिक वातावरण को दूषित करती हैं, बल्कि सामाजिक सौहार्द पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि पोस्ट करने वाले अज्ञात व्यक्तियों की पहचान कर उनके खिलाफ आईटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके। फिलहाल मामला प्रशासन के संज्ञान में है और जांच की उम्मीद जताई जा रही है।

शराब पीने के बाद हुए विवाद में घायल बुजुर्ग की चौथे दिन मौत, तीन पर मुकदमा दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। हलियापुर थाना क्षेत्र के उसकामऊ गांव में शराब पीने के बाद हुए आपसी विवाद में घायल एक बुजुर्ग की इलाज के दौरान चौथे दिन मौत हो गई। पुलिस ने परिजन की तहरीर पर तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार उसकामऊ मजरे तौधिकपुर निवासी झुरहू प्रसाद (लगभग 50 वर्ष) रविवार को गांव के ही दयाराम मौर्य के यहां दिहाड़ी मजदूरी करने गए थे। काम समाप्त होने के बाद रात करीब आठ बजे दयाराम की मशीन पर कुछ लोगों के साथ शराब का सेवन किया जा रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। मृतक के पुत्र अनिल कुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि

दयाराम मौर्य, ओमप्रकाश कोरी तथा राजकुमार उर्फ माले रैदास ने मिलकर उनके पिता पर लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर सुनकर जब परिजन मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घायल अवस्था में परिजन उन्हें इलाज के लिए सौ शैय्या अस्पताल कुमारगंज ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर ट्रामा सेंटर अयोध्या रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान बुधवार को उनकी मौत हो गई। बुधवार रात शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गुरुवार सुबह परिजनों की मांग पर पुलिस और तहसीलदार अरविंद तिवारी मौके पर पहुंचे और पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

थाना प्रभारी वंदना अग्रहरि ने बताया कि घायल के दौरान दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। आरोपीयों की तलाश जारी है।

श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व भव्य कलश शोभायात्रा, भक्ति में सराबोर दिखा जनसैलाब

सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के बरसावां गांव में श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ से पूर्व भव्य कलश शोभायात्रा का आयोजन किया गया। सरस्वती शुक्ला एवं राम मनोरथ शुक्ल के निज आवास से निकली इस शोभायात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्ति और उत्साह के रंग में रंग दिया।

शोभायात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने पीले वस्त्र धारण कर सिर पर मंगल कलश रखा और गाजे-बाजे की धुन पर नाचते-गाते हुए भाग लिया। यात्रा बरसावां गांव से निकलकर लंगड़ी बाजार और बघौना बाजार होते हुए काली माई गोलन भवानी मंदिर पहुंची, जहां विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। इसके पश्चात शोभायात्रा पुनः यज्ञ स्थल पहुंचकर संपन्न हुई।

इस धार्मिक आयोजन की अध्यक्षता अयोध्या धाम से पधारे कथा व्यास, राष्ट्रीय वक्ता श्याम सारथी जी महाराज ने की।

यूपी मे अब स्कूलों की छुट्टी एक साथ नहीं होगी, ट्रैफिक जाम से निजात के लिए 20 शहरों में नई गाइडलाइन, कितना लगेगा जुर्माना?

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों में स्कूल-कॉलेज छूटने के समय लगने वाले ट्रैफिक जाम को खत्म करने के लिए शासन ने सख्त कदम उठाया है। अब शहर के मुख्य स्कूलों की छुट्टी एक साथ नहीं होगी। डीजीपी राजीव कृष्ण ने ट्रैफिक जाम कम करने के लिए सिटी रिड्यूसिंग ट्रैफिक कंजेशन स्कीम (सीआरटीसी) के तहत 20 शहरों के 172 मार्गों के लिए गाइडलाइनजारी कर दी है। इसमें स्कूलों और आसपास के दफ्तरों की छुट्टी में 15-15 मिनट का अंतर रखने की सिफारिश की गई है। साथ ही नियनों को नहीं मानने पर भारी जुर्माना भी लगेगा।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने सीआरटीसी योजना की शुरुआत करते हुए एसओपी जारी की। इसमें यातायात विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित थाना प्रभारियों की साफ जिम्मेदारी तय की

गई है। व्यस्त चौराहों और तिराहों के 100 मीटर क्षेत्र को पूरी तरह खाली रखने का निर्देश दिया गया है। इस दायरे में किसी भी सवारी को न उतारा जा सकेगा और न बैठाया जा सकेगा। पीक ऑवर्स में अधिक यातायात वाले इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। साथ ही रूट मार्शल की तैनाती और यात्रा समय कम करने पर भी जोर दिया गया है।

लखनऊ में जाम वाले चिह्नित मार्ग

जुनाबगंज से चारबाग

अयोध्या रोड पर इंदिरा नहर से चारबाग

बक्शी का तालाब से पॉलीटेक्निक

मड़ियांव से हजरतगंज

बाजनगर से टीले वाली मस्जिद

कबीरपुर से मॉल एवेन्यू

ट्रांसपोर्टनगर से कमता

अवध चौराहा से दुबग्गा

कल्ली पश्चिम से लालकुर्ती

मॉल एवेन्यू से चिनहट

सीआरपीएफ बिजनौर से बंगलाबाजार

कपूरथला से चारबाग

कितना लगेगा जुर्माना?

नो एंट्री का उल्लंघन 20 हजार रुपये जुर्माना

नो पार्किंग या अवैध पार्किंग पहली बार 500 रुपये, बाद में 2000 रुपये

गलत दिशा में वाहन चलानाः 2000 रुपये जुर्माना

इन शहरों के लिए गाइडलाइन तय

आगरा
आजमगढ़
अलीगढ़
अयोध्या
बांदा
बरेली
गौतमबुद्धनगर
गाजियाबाद
गोरखपुर
गोंडा
झांसी
कानपुर
लखनऊ
मथुरा
मेरठ
मिर्जापुर
मुरादाबाद
प्रयागराज
सहारनपुर
वाराणसी

बुनकरों की आय बढ़ाने के लिए क्लस्टर आधारित नई कार्य योजना बनेगी: मुख्यमंत्री योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनकर केवल परम्परा के संवाहक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सशक्त आधार हैं। ऐसे में उनकी आय, सम्मान और आजीविका की स्थिरता सुनिश्चित करें राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। वर्तमान में बुनकरों के सामने कच्चे माल की बढ़ती लागत, डिजाइन और आधुनिक तकनीक का अभाव तथा सीमित बाजार पहुंच जैसी चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल योजनागत सहायता से नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ एवं समन्वित तंत्र विकसित कर ही सम्भव है। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में परिणामोन्मुख, क्लस्टर-आधारित नई कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आयोजित बैठक में हथकरघा विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उन्हें अवगत कराया गया कि प्रदेश में लगभग 1.99 लाख बुनकर कार्यरत हैं और उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में देश में छठवें स्थान पर है। कालीन, दरी एवं मैट के उत्पादन में प्रदेश अग्रणी है, जबकि बेडशीट, फर्निशिंग और ब्लैंकेट जैसे उत्पादों में भी राज्य की मजबूत उपस्थिति है। वर्ष 2024-25 में देश का कुल हथकरघा निर्यात 1178.93 करोड़ रुपये रहा, जिसमें उत्तर प्रदेश का योगदान 109.40 करोड़ रुपये, लगभग 9.27 प्रतिशत रहा।मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनकर बहुल क्षेत्रों की पहचान कर वहां क्लस्टर विकसित किए जाएं, ताकि उत्पादन, गुणवत्ता और विपणन को एकीकृत किया जा सके। यह क्लस्टर केवल उत्पादन तक सीमित न रहकर पूर्ण वैल्यू चेन के रूप में विकसित हों, जहां डिजाइन, ब्राण्डिंग, पैकेजिंग और बाजार तक पहुंच एक ही ढांचे में सुनिश्चित की जाए।बैठक में क्लस्टर चयन, बेसलाइन सर्वे, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने, इन गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सतत अनुश्रवण जैसे पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक क्लस्टर में सीमित संख्या में बुनकरों को संगठित कर पंजीकृत इकाइयों के रूप में विकसित किया जाए, जिससे सामूहिक उत्पादन और विपणन को बढ़ावा मिले। साथ ही, इन क्लस्टरों को आधुनिक तकनीक, उन्नत उपकरणों और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जाए, ताकि उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार हो सके।डिजाइन और विपणन को सुदृढ़ बनाने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्पाद की सफलता बाजार की मांग के अनुरूप होने पर ही सम्भव है। उन्होंने 'डिजाइनर-कम-मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव' तथा 'डिजाइन हाउस/सोर्सिंग-बाइंग एजेंसी/एक्सपोर्ट हाउस' जैसे संस्थागत तंत्र को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार, बड़े बाजारों तक पहुंच और बुनकरों की आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी। डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स और ब्राण्डिंग के विस्तार पर विशेष ध्यान देने के भी निर्देश दिए गए, ताकि बुनकरों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ा जा सके।मुख्यमंत्री ने कहा कि पावरलूम बुनकरों के विद्युत बिल में कमी लाने के लिए बेहतर प्रयासों की आवश्यकता है। उनके निर्देश पर इस सम्बन्ध में हथकरघा विभाग और पावर कॉर्पोरेशन मिलकर कार्ययोजना तैयार करेंगे।

प्रदेश में पर्यटन विकास की 570 नई परियोजनाओं को मंजूरी, 687 .80 करोड़ रुपये जारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा प्रदेश के लगभग सभी मण्डलों के अंतर्गत आने वाले जनपदों में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पर्यटन विकास की 570 नई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करते हुए 68780.28 लाख रुपये की धनराशि जारी की गई है।यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि आगरा की विभिन्न विधानसभाओं में स्थित मंदिरों और धार्मिक स्थलों के विकास के लिए धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके तहत आगरा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में स्थित कैला माता मंदिर, फतेहपुर सीकरी के शीतलाकुण्ड धाम मंदिर, फतेहाबाद के शती माता मंदिर, खैरागढ़ स्थित बाबा दीनदयाल मंदिर तथा आनंदी भैरो मऊ स्थित नाथ संप्रदाय के प्राचीन मंदिर के पर्यटन विकास के लिए क्रमशः एक-एक करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।इसी प्रकार आगरा छावनी स्थित पर्यटन कार्यालय के पुराने भवन के जीर्णोद्धार कार्य के लिए 1 करोड़ 50 लाख रुपये, आगरा उत्तर स्थित गुरु का ताल गुरुद्वारा के पर्यटन विकास के लिए 2 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। बाह विधानसभा क्षेत्र स्थित बटेश्वर धाम में घाट विकास कार्य के लिए 19 करोड़ रुपये तथा दो प्रवेश द्वारों के निर्माण हेतु 5 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।इसी क्षेत्र में रपड़ी पर्यावरण पर्यटन क्षेत्र में संकेतक पट्ट स्थापित करने के कार्य हेतु 1 करोड़ रुपये तथा बाह में स्थित पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मस्थली के पर्यटन विकास के लिए 2 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त एत्मादपुर विधानसभा क्षेत्र में आदिनाथ भरत बाहुबली त्रिमूर्ति जैन मंदिर के पर्यटन आधारभूत सुविधाओं के विकास हेतु 1 करोड़ रुपये तथा इसी क्षेत्र में स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय परियोजना के लिए भी 1 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।पर्यटन मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों के प्राचीन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं का विकास कर अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से ये परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के माध्यम से युवा पीढ़ी को अपनी विरासत से जुड़ने का अवसर मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

सड़क किनारे अज्ञात महिला का शव मिलने से फैली सनसनी, सिर पर चोट के मिले निशान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना क्षेत्र के घुरघुरी तालाब चौकी अंतर्गत इब्राहिमगंज मदारपुर क्षेत्र में सड़क किनारे एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार आज दिनांक 09 अप्रैल 2026 को प्रातः थाना स्थानीय पर सूचना मिली कि घुरघुरी तालाब चौकी क्षेत्र के इब्राहिमगंज मदारपुर में सड़क के किनारे एक अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटाई।मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रथम दृष्टया जांच में पाया कि मृतका की उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है। महिला के सिर पर चोट के स्पष्ट निशान पाए गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करते हुए आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए और आसपास के क्षेत्र में जानकारी जुटाने का प्रयास किया।घटना के बाद क्षेत्र में लोगों की भीड़ एकत्र हो गई और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। पुलिस द्वारा मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ कर मृतका की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी थी।पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर वैधानिक प्रक्रिया के तहत अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

इंटरनेट बैंकिंग ठगी के शिकार व्यक्ति को साइबर थाना पुलिस ने लौटाए 9.98 लाख रुपये

लखनऊ। इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से हुई 9 लाख 98 हजार 12 रुपये की ठगी के मामले में साइबर थाना लखनऊ की तत्पर कार्रवाई से पीड़ित की शत-प्रतिशत धनराशि वापस कराई गई। धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 अगस्त 2025 को राजीव वर्मा पुत्र स्व. मनेन्द्रनाथ वर्मा निवासी ई-ब्लॉक, राजाजीपुरम, लखनऊ के एसबीआई बैंक खाते से अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा इंटरनेट बैंकिंग हैक कर कुल 9,98,012 रुपये अलग-अलग लेनदेन के माध्यम से अवैध रूप से निकाल लिए गए थे। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर बैंक सेवा अपडेट कराने के बहाने खाते से संबंधित गोपनीय जानकारी प्राप्त कर ली थी और उसके बाद इंटरनेट बैंकिंग का दुरुपयोग कर धनराशि निकाल ली गई।

राजाजीपुरम में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, लैपटॉप बैग से मिला सुसाइड नोट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना क्षेत्र के राजाजीपुरम में किराये के मकान में रह रहे एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 08 अप्रैल 2026 को समय लगभग 17:00 बजे थाना स्थानीय पर सूचना प्राप्त हुई कि राजाजीपुरम क्षेत्र में किराये के मकान में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घटना के संबंध में जानकारी जुटाई।

जांच के दौरान ज्ञात हुआ कि आदर्श प्रजापति, उम्र लगभग 28 वर्ष, पुत्र अखिलेश कुमार, मूल निवासी बीबीगंज बड़ा शिवाला, थाना सआदतगंज, लखनऊ, द्वारा अपने कमरे में छत के कुंडे में चादर का फंदा बनाकर फांसी लगा ली गई थी। घटना की जानकारी होने पर परिजनों ने कमरे का दरवाजा तोड़कर युवक को नीचे उतारा और तत्काल उपचार के लिए एरा अस्पताल, लखनऊ ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया।पुलिस द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण करने पर मृतक के लैपटॉप बैग से एक हस्तलिखित सुसाइड नोट बरामद हुआ। सुसाइड नोट में मृतक द्वारा आत्महत्या के लिए स्वयं को जिम्मेदार बताया गया है। पुलिस ने सुसाइड नोट को अपने कब्जे में लेकर उसे साक्ष्य के रूप में सुरक्षित कर लिया है और विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रकरण में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच जारी है।

संक्षेप

वरिष्ठ नेता राम बहादुर सिंह के पुत्र रामांश का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

लखनऊ। रेलवे सलाहकार बोर्ड के सदस्य एवं वरिष्ठ नेता राम बहादुर सिंह के पुत्र रामांश का जन्मदिन समारोह बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ लखनऊ स्थित प्लासियो मॉल के इशारा रेस्टोरेंट में मनाया गया। इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता तथा समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने रामांश को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह का माहौल बेहद खुशनुमा और उल्लासपूर्ण रहा, जहां केक काटने तथा आपसी मेल-मिलाप का विशेष आयोजन किया गया।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद भी अपने पुत्र अमित निषाद एवं पुत्रवधु आरती निषाद के साथ शामिल हुए। उन्होंने रामांश को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इसके अलावा कई अन्य प्रमुख व्यक्तित्वों में पूर्व प्रशासनिक अधिकारी अभिषेक सिंह, देवव्रत वर्मा, सौरभ सिंह, आकाश सिंह, आंचल गुप्ता, सुरेश वर्मा सहित अनेक प्रशासनिक अधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और परिवार के साथ इस खुशी के अवसर को साझा किया।

बनी विद्युत उपकेंद्र का मुख्य अभियंता ने किया निरीक्षण, निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

लखनऊ। अमौसी जोन के अंतर्गत आने वाले बनी विद्युत उपकेंद्र का निरीक्षण मुख्य अभियंता रामकुमार द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपकेंद्र की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, उपकरणों की स्थिति तथा उपभोक्ताओं को दी जा रही सेवाओं का गहन मूल्यांकन किया।निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता ने उपकेंद्र परिसर का विस्तृत जायजा लेते हुए विद्युत आपूर्ति से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने उपकेंद्र पर स्थापित ट्रांसफार्मर, फीडरों की कार्यक्षमता तथा सुरक्षा मानकों की स्थिति का भी परीक्षण किया और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।मुख्य अभियंता ने उपकेंद्र परिसर में साफ-सफाई, रखरखाव एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्युत उपकेंद्रों पर नियमित रूप से साफ-सफाई और उपकरणों का समय-समय पर रखरखाव किया जाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी की संभावना को कम किया जा सके।उन्होंने संभावित तकनीकी खामियों को शीघ्र दूर करने तथा विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने वाला शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ। थाना विकासनगर पुलिस ने जिला बदर की अवधि का उल्लंघन करने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।पुलिस के अनुसार 9 अप्रैल 2026 को थाना विकासनगर पुलिस द्वारा जिला बदर अभियुक्त रजत चौधरी उम्र करीब 23 वर्ष निवासी सेक्टर-एम, अलीगंज, थाना विकासनगर, लखनऊ को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान पता चला कि संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा वाद संख्या 157(65)/2025 सरकार बनाम रजत चौधरी के मामले में उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम 1970 की धारा 3 के अंतर्गत 31 अक्टूबर 2025 को अभियुक्त को छह माह के लिए लखनऊ जनपद से जिला बदर घोषित किया गया था।पुलिस के अनुसार उक्त आदेश की सूचना अभियुक्त को 4 नवंबर 2025 को दे दी गई थी, जिसके बावजूद अभियुक्त ने आदेश की जानकारी होने के बाद भी जानबूझकर थाना विकासनगर क्षेत्र में उपस्थित होकर जिला बदर आदेश का उल्लंघन किया।

अलीगंज में मंदिर की दीवार गिरने से मलबे में दबा छह माह का मासूम, इलाज के दौरान मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना क्षेत्र अलीगंज के अंतर्गत पुराना हनुमान मंदिर, डांडिया में गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया, जब मंदिर की एक पुरानी दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार गिरने से उसके सहारे बनी झुग्गी-झोपड़ी मलबे में दब गई, जिसमें एक छह माह का मासूम दब गया। पुलिस द्वारा तत्काल राहत कार्य करते हुए बच्चे को मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी दुखद मृत्यु हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार आज दिनांक 09 अप्रैल 2026 को समय करीब 11:00 बजे थाना अलीगंज क्षेत्र के पुराना हनुमान मंदिर, डांडिया परिसर में स्थित एक जर्जर दीवार अचानक गिर गई। बताया गया कि उक्त दीवार के सहारे कुछ लोग झुग्गी-झोपड़ी बनाकर निवास कर रहे थे। दीवार गिरने से झुग्गी में रह रहे गजोधर पुत्र मेवालाल, मूल निवासी मिश्रिख जनपद सीतापुर, वर्तमान निवासी निकट हनुमान मंदिर अलीगंज, जो पेशे से ऑटो चालक है, का छह माह का पुत्र मलबे में दब गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और बिना विलंब किए राहत कार्य शुरू किया। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में दबे मासूम को सकुशल बाहर निकाला गया और तत्काल उपचार के लिए भाऊराव देवरस अस्पताल भेजा गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय भेज दिया।किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में इलाज के दौरान मासूम की हालत लगातार नाजुक बनी रही और चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उसकी मृत्यु हो गई। मासूम की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त हो गया।घटना के बाद पुलिस बल मौके पर तैनात है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है तथा अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

प्रदेश में 12 आईपीएस अधिकारियों के तबादले, कई जिलों और कमिश्नरेट में नई तैनाती

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 12 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। जारी आदेश के अनुसार विभिन्न जनपदों और पुलिस कमिश्नरेट में अधिकारियों की नई तैनाती की गई है।जारी सूची के अनुसार सागर जैन को अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सहारनपुर से पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज बनाया गया है। मनोज कुमार रावत को अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) गोण्डा से अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सम्भल भेजा गया है।आयुष विक्रम सिंह को अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मेरठ से अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) बहराइच तथा विनायक गोपाल भोसलें को सहायक पुलिस अधीक्षक सीतापुर से अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मेरठ तैनात किया गया है।अंतरिक्ष जैन को सहायक पुलिस अधीक्षक मेरठ से अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) बुलन्दशहर भेजा गया है। टिट्वंकल जैन को सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर से अपर पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ तथा लिपि नागयाच को सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद से अपर पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी नियुक्त किया गया है।राजकुमार मीणा को सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज से अपर पुलिस अधीक्षक (नक्सल) मीरजापुर तथा ऋषभ रुनवाल को सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ से अपर पुलिस अधीक्षक (नक्सल) सोनभद्र भेजा गया है।

एच .एल . दुसाध उत्तर प्रदेश कांग्रेस विचार विभाग के चेयरमैन नियुक्त

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय की संस्तुति तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के अनुमोदन के उपरांत जाने-माने दलित चिंतक एवं प्रख्यात लेखक एच.एल. दुसाध को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विचार विभाग का चेयरमैन नियुक्त किया गया है।उल्लेखनीय है कि दुसाध का जन्म वर्ष 1963 में उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने लगभग 33 वर्षों तक पश्चिम बंगाल में रहकर अपने जीवन की दिशा तय की।वर्ष 1990 में उन्होंने डॉ. बी.आर. आंबेडकर के जीवन संघर्ष पर आधारित एक बड़े दूरदर्शन धारावाहिक का प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, किन्तु लंबे प्रयासों के बावजूद इसे स्वीकृति नहीं मिल सकी। इसके बाद उन्होंने क्लोराइड इंडिया की नौकरी छोड़कर वर्ष 1997 से पूर्णकालिक रूप से लेखन कार्य शुरू किया और बहुजन आंदोलन से जुड़ गए।अक्टूबर 2000 से उन्होंने पूर्णकालिक पत्रकारिता लेखन की शुरुआत की और अपना अधिकांश लेखन 'डाइवर्सिटी' विषय पर केंद्रित किया। इस विषय पर उनके एकल व्याख्यान देश के कई प्रमुख विश्वविद्यालयों जैसे बीएचयू, जेएनयू, वर्धा, आंबेडकर विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर तथा दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर सहित अनेक संस्थानों में आयोजित हो चुके हैं। विभिन्न राष्ट्रीय समाचार पत्रों में उनके लेख नियमित रूप से प्रकाशित होते रहे हैं और वे टीवी चैनलों पर भी प्रभावशाली ढंग से अपने विचार रखते रहे हैं।डाइवर्सिटी विषय पर व्यापक कार्य के कारण उन्हें 'डाइवर्सिटी मैन ऑफ इंडिया' के रूप में भी जाना जाता है। वर्ष 2006 से वे आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर केंद्रित औसतन एक हजार पृष्ठों की 15 'डाइवर्सिटी ईयर बुक' तैयार कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने अंग्रेजी और बांग्ला की दो पुस्तकों का अनुवाद तथा 'आज के भारत की ज्वलंत समस्याएं' श्रृंखला के अंतर्गत 22 पुस्तकों का लेखन किया है।दुसाध बहुजन डाइवर्सिटी मिशन (बीडीएम), दिल्ली के संस्थापक अध्यक्ष भी हैं। इस संगठन का उद्देश्य आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षिक और धार्मिक क्षेत्रों में सामाजिक तथा लैंगिक विविधता को बढ़ावा देकर आर्थिक और सामाजिक विषमता को समाप्त करना है।

जानकीपुरम पुलिस ने गुम हुए दो मोबाइल फोन बरामद कर मालिकों को सौंपे

लखनऊ। थाना जानकीपुरम पुलिस ने गुम हुए दो मोबाइल फोन बरामद कर संबंधित शिकायतकर्ताओं को सुपुर्द किया है। मोबाइल मिलने पर शिकायतकर्ताओं ने पुलिस का आभार व्यक्त किया।प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 30 जनवरी 2026 को थाना जानकीपुरम पर सक्षम गुप्ता पुत्र पल्लव गुप्ता निवासी सहारा ग्रेस, थाना जानकीपुरम, लखनऊ तथा भूपेन्द्र कश्यप पुत्र हरिशंकर निवासी 219 सेक्टर-07, थाना विकासनगर, लखनऊ द्वारा सूचना दी गई कि उनके मोबाइल फोन कहीं गिर गए हैं। शिकायत प्राप्त होते ही पुलिस द्वारा तत्काल गुमशुदगी दर्ज कर मोबाइल फोन को खोजने की प्रक्रिया शुरू की गई।पुलिस द्वारा तकनीकी माध्यम से खोजबीन करते हुए दिनांक 09 अप्रैल 2026 को दोनों मोबाइल फोन बरामद कर लिए गए। बरामद किए गए दोनों मोबाइल फोन संबंधित शिकायतकर्ताओं को विधिवत सुपुर्द कर दिए गए।

वैज्ञानिक जाति जनगणना और ओबीसी महिलाओं को आरक्षण की मांग, कांग्रेस ओबीसी विभाग ने दी आंदोलन की चेतावनी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग द्वारा आज लखनऊ में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसे ओबीसी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद ने संबोधित किया। इस अवसर पर उनके साथ जितेंद्र बघेल, मनोज यादव, ओम प्रकाश मेहतो सहित अन्य वरिष्ठ नेता मंच पर उपस्थित रहे।प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. अनिल जयहिंद ने कहा कि ओबीसी कांग्रेस देशभर में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती मना रही है। इसी क्रम में 11 अप्रैल 2026 को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स सभागार में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में कांग्रेस पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता और सामाजिक न्याय के प्रमुख विचारक भाग लेंगे।उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने सामाजिक क्रांति की शुरुआत करते हुए पिछड़े, अनुसूचित जाति और जनजाति समाज को सामाजिक गुलामी से मुक्त करने का कार्य किया था। आज भी उनके विचार समाज के लिए मार्गदर्शक हैं और सामाजिक न्याय की दिशा में उनके अधूरे सपनों को पूरा करने की आवश्यकता है।डॉ. जयहिंद ने केंद्र सरकार से देश में वैज्ञानिक आधार पर जाति जनगणना कराए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जातियों की केवल संख्या गिनना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक स्थिति, सरकारी नौकरियों, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक सेवाओं में हिस्सेदारी का विस्तृत विवरण भी एकत्र किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में अपनाए गए विस्तृत प्रश्नों वाले मॉडल को पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए, ताकि वास्तविक आंकड़ों के आधार पर नीतियां बनाई जा सकें।उन्होंने यह भी घोषणा की कि तेलंगाना में वैज्ञानिक जाति जनगणना के उत्कृष्ट कार्य के लिए वहां के मंत्री पोन्नम प्रभाकर को सम्मानित किया जाएगा।प्रेस वार्ता के दौरान डॉ. जयहिंद ने प्रस्तावित महिला आरक्षण विधेयक में ओबीसी महिलाओं के लिए अलग से प्रावधान न होने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यदि महिला आरक्षण में ओबीसी महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित नहीं की गई, तो इससे संसद की सामाजिक संरचना असंतुलित हो सकती है और समान भागीदारी का सिद्धांत कमजोर पड़ेगा।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वर्तमान जनगणना प्रक्रिया में ओबीसी वर्ग का अलग से उल्लेख नहीं किया गया है, जिससे यह प्रतीत होता है कि सरकार ओबीसी समाज की वास्तविक स्थिति को समझने के प्रति गंभीर नहीं है।डॉ. जयहिंद ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ओबीसी महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार नहीं दिया गया, तो देशव्यापी सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया जाएगा।

नाले से गैस निकालें और आत्मनिर्भर बनें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक कहा है कि भारत में गैस का या तेल का कोई संकट नहीं है। उन्होंने अपने मंत्रियों और अन्य नेताओं से कहा कि वे जनता के बीच जाएं और उनको बताएं कि तेल और गैस का संकट नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूरे आत्मविश्वास के साथ बताएं कि कोई संकट नहीं है। चार मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी गुरुवार को साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस करके भी यही कहा कि तेल और गैस का कोई संकट नहीं है। अब असली बात क्या है? असली बात तेल या गैस का संकट नहीं है, बल्कि असली बात आत्मविश्वास है। देश तेल या गैस से नहीं आत्मविश्वास से चलता है। अगर आत्मविश्वास है कि तेल और गैस का कोई संकट नहीं है तो इसका मतलब है कि कोई संकट नहीं है।

देश के जो लोग गैस एजेंसियों के सामने कतार लगा कर खड़े हैं, धक्के खा रहे हैं, गैस की बुकिंग नहीं कर पा रहे हैं, जो होटल और रेस्तरां बंद हो रहे हैं, कैंटीन्स बंद की जा रही हैं, हवाई किराया बढ़ाया जा रहा है, अयोध्या की राम रसोई बंद हुई है, सुप्रीम कोर्ट और कांग्रेस मुख्यालय की कैंटीन में कैटरिंग का काम सीमित किया गया है, आईआरसीटीसी के बारे में कहा जा रहा है कि वह कैटरिंग में कटौती करने वाला है, यह सब असल में एक साजिश है, जो सरकार को बदनाम करने वाले लोगों ने रची है। यह भी कह सकते हैं कि अमेरिका वाले जॉर्ज सोरोस या उस तरह का कोई टूलकिट लगा है, जिसको भारत के विश्वगुरू बनने से चिढ़ है और वह इकोसिस्टम सरकार और देश को बदनाम करने के लिए इस तरह के काम करा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा भी कि कुछ लोगों का काम पैनिक फैलाना होता है। वहीं लोग गैस संकट को लेकर पैनिक फैला रहे हैं।

अन्यथा, जब विश्वगुरू भारत के प्रधानमंत्री ने कह दिया कि तेल और गैस का संकट नहीं है तो लोगों को मान लेना चाहिए कि संकट नहीं है। जो नहीं मान रहे हैं वे देश विरोधी इकोसिस्टम के लोग हैं। ऐसे ही लोगों ने नोटबंदी के समय कतार में लग कर और कोरोना के समय ऑक्सीजन की कमी बता कर जान दी थी और देश की छवि बिगाड़ी थी और अब गैस एजेंसियों के सामने कतार लगा कर सरकार की छवि बिगाड़ रहे हैं। उनको पता ही नहीं है कि सरकार के पास इतने गैस के सिलेंडर भरे हुए हैं कि राह चलते लोगों को पकड़ पकड़ कर सिलेंडर दिया जा रहा है। कुछ देशद्रोही किस्म के लोग ही इस बात का मुद्दा बना रहे हैं कि सरकार ने शहरों में गैस की बुकिंग का समय 20 दिन से बढ़ा कर 25 दिन कर दिया और गांवों में 45 दिन से पहले बुकिंग नहीं करने का नियम बनाया है। यह तो सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए किया गया है। इसी तरह घरेलू रसोई गैस के सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए और कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए की जो बढ़ोतरी की गई है वह तो इसलिए की गई है ताकि लोग देश के विकास में ज्यादा योगदान कर सकें।

इसलिए लोगों की अपने कानों और अपनी आंखों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। उनको वह देखना और सुनना चाहिए, जो सरकार कह रही है। प्रधानमंत्री कह रहे हैं। देश के विदेश मंत्री और पेट्रोलियम मंत्री कह रहे हैं। सब एक ही बात कह रहे हैं कि कोई संकट नहीं है। तेल के भंडार लबालब भरे हुए हैं और जिस देश में हर दूसरा व्यक्ति डॉक्टर के यहां जाकर कहता हो कि डॉक्टर साहेब गैस बन रही है, उस देश में गैस की कमी भला कैसे हो सकती है! बाकी इसके बावजूद अगर किसी को गैस की किल्लत महसूस हो रही है तो सरकार ने कोयला को विकल्प के तौर पर आजमाने के लिए कह दिया है। कोयले की तो कमी देश में है नहीं। अगर उसकी भी कमी मिले तो लकड़ी का चुल्हा आजमाया जा सकता है। लोगों को यह भी तो समझना चाहिए कि आत्मनिर्भर भारत में वे कब तक सरकार और दूसरे देशों पर निर्भर रहेंगे। अपनी लकड़ी काटें, अपना कोयला निकालें और काम चलाएं। नाले से गैस निकालें और आत्मनिर्भर बनें।

ईरान को पहले यूएस से पिटवाया, फिर दिखावे के लिए पाकिस्तान बीच बचाव के लिए आया, वाह रे दोहरा चरित्र!

इस पूरे खेल में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। एक तरफ वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति और सहयोग की बात करते हैं,

नीरज कुमार दुबे

पाकिस्तान की विदेश नीति को अगर सीधे शब्दों में समझना हो तो यह साफ दिखता है कि वह एक साथ दो खेल खेलता है। सामने दोस्ती, पीछे साजिश यही उसकी पहचान बन चुकी है। हाल के घटनाक्रम ने इसे और उजागर कर दिया है। पिछले साल जून में जब पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष असीम मुनीर ने व्हाइट हाउस में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी तो इसके पीछे गहरी रणनीति छिपी थी। इस एक बैठक ने दिखा दिया था कि पाकिस्तान कैसे एक तरफ खुद को सहयोगी बताता है और दूसरी तरफ पर्दे के पीछे अपने मतलब का खेल खेलता रहता है।

बताया जाता है कि इस मुलाकात में ईरान के मुद्दे पर लंबी बातचीत हुई थी। यह भी चर्चा में रहा कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान के ठिकानों के इस्तेमाल की संभावना टटोली। इससे भी गंभीर आरोप यह है कि पाकिस्तान ने ईरान के परमाणु ठिकानों से जुड़ी जानकारी अमेरिका को उपलब्ध कराई, जिसके आधार पर पिछले साल ही ईरान में अमेरिकी हमला हुआ था। यह न केवल विश्वासघात है बल्कि मुस्लिम दुनिया में भी एक गहरी दरार का संकेत देता है।

देखा जाये तो पाकिस्तान और ईरान के संबंध कभी भी सहज नहीं रहे। एक ओर धार्मिक मतभेद हैं जहां सुन्नी और शिया का सवाल हमेशा तनाव का कारण बना रहा, वहीं दूसरी ओर रणनीतिक प्रतिस्पर्धा भी है। पाकिस्तान खुद को इस्लामी दुनिया की एकमात्र परमाणु शक्ति के रूप में देखता रहा है और वह नहीं चाहता कि कोई और मुस्लिम देश इस श्रेणी में आए। ऐसे में ईरान का परमाणु कार्यक्रम पाकिस्तान के लिए असहजता का कारण बनता है। यही वजह है कि पाकिस्तान खुले मंच पर भले ही तटस्थता की बात करे, लेकिन पर्दे के पीछे वह अलग खेल खेलता दिखता है।

यह दोहरापन सिर्फ ईरान के मामले तक सीमित नहीं है। पाकिस्तान एक ओर अमेरिका के साथ खुफिया सूचनाएं साझा करता है, वहीं दूसरी ओर खुद को शांति दूत के रूप में प्रस्तुत करता है। ईरान-अमेरिका-इजराइल युद्ध में पाकिस्तान ने शांति वार्ता कराने की पहल का दिखावा किया, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह वास्तव में शांति की कोशिश थी या अपनी छवि सुधारने का प्रयास था?

इस पूरे खेल में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। एक तरफ वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति और सहयोग की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी सरकार की नीतियां और फैसले पाकिस्तान की दोहरी रणनीति को मजबूत करते हैं। यह एक तरह का सुनियोजित भ्रम है जिसमें दुनिया को एक चेहरा दिखाया जाता है और दूसरा चेहरा छिपा रहता है।

साथ ही अमेरिका और पाकिस्तान के संबंध भी इस संदर्भ में दिलचस्प हैं। डोनाल्ड ट्रंप भले ही अपने पिछले कार्यकाल में पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर कठघरे में खड़ा कर चुके हों, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में उनका रुख बदला हुआ नजर आता है। इसकी एक वजह यह भी है कि ट्रंप परिवार का पाकिस्तान में आर्थिक निवेश है। ऐसे में रणनीतिक हित और निजी हित एक दूसरे में घुलते नजर आते हैं।

यही सबसे खतरनाक पहलू है कि अमेरिका पाकिस्तान के इस खुले दोहरे चरित्र को भलीभांति समझता है, फिर भी जानबूझकर उसे नजरअंदाज करता है। यह कोई मजबूरी नहीं बल्कि सोची समझी चाल है। हालिया संघर्षविराम का श्रेय पाकिस्तान को देना इसी खेल का हिस्सा है। अमेरिका जानता है कि पाकिस्तान एक तरफ आग को हवा देता है और दूसरी तरफ खुद को बुझाने वाला बताता है, फिर भी वह इस्लामाबाद को आगे करता है ताकि अपने रणनीतिक हित साध सके। दूसरी ओर पाकिस्तान इस मौके को ऐसे भुनाता है मानो वह दुनिया का सबसे बड़ा शांति दूत हो, जबकि हकीकत यह है कि वही पर्दे के पीछे हालात बिगाड़ने में भी शामिल रहता है। यह पूरी कहानी एक सुनियोजित नाटक की तरह है, जिसमें अमेरिका और पाकिस्तान दोनों अपने अपने किरदार निभा रहे हैं और दुनिया को गुमराह किया जा रहा है।

यहां असल सवाल यह है कि क्या दुनिया इस दोहरे खेल को समझ रही है? पाकिस्तान लंबे समय से इसी रणनीति पर काम करता आया है। अफगानिस्तान के मामले में भी उसने एक तरफ अमेरिका का साथ दिया और दूसरी तरफ तालिबान को समर्थन दिया। अब वही नीति ईरान के संदर्भ में दिखाई दे रही है।

असीम मुनीर और शहबाज शरीफ की जोड़ी इस रणनीति को नए स्तर पर ले जाती दिख रही है। सेना और सरकार के बीच तालमेल के जरिए एक ऐसा तंत्र तैयार किया गया है जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर भ्रम पैदा करने में सक्षम है। यह सिर्फ कूटनीति नहीं बल्कि एक सुनियोजित छवि प्रबंधन है।

दुनिया के लिए यह समझना जरूरी है कि पाकिस्तान की नीति सिर्फ बयानबाजी तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके पीछे गहरी रणनीतिक सोच काम करती है। जब तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस दोहरे चरित्र को पहचान कर उसके अनुसार प्रतिक्रिया नहीं देगा, तब तक पाकिस्तान इसी तरह दो नावों पर सवार होकर अपने हित साधता रहेगा। यह कहना गलत नहीं होगा कि पाकिस्तान आज भी विश्वास और संदेह के बीच खड़ा देश है। उसके कदमों में स्थिरता नहीं बल्कि अवसरवादिता झलकती है।

बहरहाल, ईरान के खिलाफ युद्ध में संघर्षविराम के ऐलान के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को दुनिया का सबसे बड़ा शांति दूत साबित करने में जुटे हैं। हालांकि नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत रखने वाले ट्रंप का अपने दूसरे कार्यकाल में युद्ध भड़काना और फिर सभ्यता खत्म कर देने जैसी धमकियां देना उनके असली चरित्र को उजागर करता है। इसी कड़ी में पाकिस्तान भी पीछे नहीं है, जो इस संघर्ष में मध्यस्थता का श्रेय लेने की कोशिश कर रहा है। असीम मुनीर और शहबाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान एक तरफ शांति की बात करता है, जबकि दूसरी ओर उसी पर दुनिया भर में अशांति और आतंकवाद फैलाने के आरोप लगते रहे हैं। सच यह है कि यह पूरा घटनाक्रम शांति का नहीं बल्कि दोहरे चरित्र और अवसरवादी राजनीति का एक और उदाहरण बनकर सामने आया है, जिसे अब दुनिया साफ साफ समझने लगी है।

टिप्पणी

एचडीएफसी बैंक की पारदर्शिता पर गहरे सवाल

हालिया घटनाओं से एचडीएफसी बैंक की पारदर्शिता पर गहरे सवाल उठे हैं। चेयरमैन के इस्तीफे और तीन अधिकारियों की बर्खास्तगी के बाद लोगों के मन में अनेक संदेह तैर रहे हैं। इन्हें दूर करने का विश्वसनीय प्रयास अविलंब किया जाना चाहिए।

अंदेशा है कि मार्केट कैपिटलाइजेशन, ग्राहक आधार, और शाखा नेटवर्क के लिहाज़ से भारत में प्राइवेट सेक्टर के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी की साख पर उठे सवाल देश की वित्तीय अर्थव्यवस्था पर दूरगामी असर छोड़ सकते हैं। इसलिए इस बारे में पूरी पारदर्शिता बरतते हुए बैंक के सभी हितधारकों सहित पूरे देश को भरोसे में लिया जाना चाहिए। इस समय जबकि देश अंदरूनी एवं अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण गंभीर आर्थिक चुनौतियों के मुकाबिल है, बैंकिंग सेक्टर से जुड़ी एक अतिरिक्त समस्या का बोझ उठाने की स्थिति में वह नहीं होगा।

बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने पिछले हफ्ते अपने पद से इस्तीफा देते हुए कहा कि इस संस्था के अंदर देखी गई कुछ ₹प्रथा और घटनाएं₹ उनकी अपनी व्यक्तिगत नैतिकता से मेल नहीं खातीं। हालांकि उन्होंने बैंक के भीतर कोई ठोस समस्या होने से इनकार किया और फुर्ती दिखाते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने भी बैंक की वित्तीय स्थिति को लेकर लोगों को आश्वस्त करने की कोशिश की, मगर बाद की घटनाओं से साफ है कि उससे बात नहीं बनी है। ₹नैतिक₹ कारणों से चेयरमैन के इस्तीफा देने से साफ संकेत मिला कि बैंक का संचालन सही तरीके से नहीं हो रहा है।

फिर दो दिन बाद ही बैंक ने अपने तीन वरिष्ठ अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया। उन पर एटी-1 बॉन्ड्स की अनुचित ढंग से बिक्री का आरोप लगाया गया है। मतलब यह कि जो बॉन्ड सुरक्षित निवेश बताकर बेचे गए, वे बाद में जोखिम भरे साबित हुए। एटी-1 उच्च जोखिम वाले बॉन्ड होते हैं, जिन्हें बैंकों की पूंजी संरचना मजबूत करने के लिए जारी किया जाता है। फिर इस घटनाक्रम के दौरान इस ओर भी ध्यान गया है कि बैंक में पिछले दो वर्षों में कम-से-कम छह वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्तीफा दिया या बैंक से उनका संबंध विच्छेद हुआ। स्पष्टतः ये घटनाएं बैंक की पारदर्शिता पर सवाल उठाती है। इसीलिए चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद से बैंक के शेयरों में लगातार गिरावट दर्ज की गई। तो साफ है कि निवेशकों सहित अन्य हितधारकों के मन में अनेक संदेह तैर रहे हैं। इन्हें दूर करने का विश्वसनीय प्रयास अविलंब किया जाना चाहिए।

ब्लॉग

बागी सिपाहियों को सबक सिखाने के मूड में कांग्रेस

उमेश चतुर्वेदी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनावी घमासान बढ़ता जा रहा है। देश की सबसे पुरानी पार्टी का दांव चूंकि दो राज्यों में ही सबसे ज्यादा है, इसलिए उसका सारा ध्यान इन्हीं दो राज्यों पर है। असम और केरल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की स्थिति अलग-अलग है। इसलिए दोनों ही राज्यों में उसकी चुनौतियां अलग हैं, इसलिए उसकी लड़ाई के रूप और तरीके अलग-अलग हैं। हरियाली और समुद्री किनारे के चलते केरल को खूबसूरत राज्यों में शुमार किया जाता है। इस खूबसूरती की ही वजह से केरल को 'भगवान का देश' कहा जाता है। बारह साल से केंद्रीय सत्ता से दूर कांग्रेस को उम्मीद भगवान के इसी देश से ही ज्यादा है। पिछले लोकसभा चुनावों में जिस तरह इस राज्य से उसे समर्थन मिला था, उसकी वजह से उसकी उम्मीदों का परवान चढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन यहां उसकी चुनौती भगवान को न मानने वाली विचारधारा से है। केरल की सत्ता पर काबिज जिस वाममोर्चा से विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का मुकाबला है, राष्ट्रीय स्तर पर मोदी के खिलाफ बने विपक्षी मोर्चे में कांग्रेस उसी वाममोर्चे के साथ है। स्थानीय स्तर पर विरोध और राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग का विरोधाभास अगर सर्वाधिक शिक्षित राज्य में भारी पड़ सकता है। हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में राजधानी तिरूअनंतपुरम में जीत हासिल कर चुकी बीजेपी इस विरोधाभास को खूब उछाल रही है। वैसे तो बीजेपी का दावा है कि इस बार भगवान के देश में भगवा ध्वज फहरने जा रहा है, हालांकि अब तक चुनावी अभियान से साफ है कि बीजेपी को वैसी सफलता मिलती नजर नहीं आ रही। लेकिन बीजेपी का मौजूदा जीन आखिरी दम तक हार नहीं मानने का है। इसलिए पार्टी की कोशिश सीपीएम की अगुआई वाले वाममोर्चे और कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त मोर्चे के विरोधाभास को उजागर करने पर है। पार्टी को लगता है कि देश के इस सर्वाधिक साक्षर राज्य में अगर जनता ने इस विरोधाभास को समझ लिया तो राज्य के चुनावी नतीजे 2017 के उत्तर प्रदेश के परिणामों की तरह आश्चर्यजनक रूप से अपने पक्ष में किए जा सकते है। 2017 में किसने सोचा था कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत हासिल करेगी। इसी कोशिश के तहत अमित शाह केरल की करीब 19 प्रतिशत जनसंख्या वाले ईसाई समुदाय से लगातार संपर्क कर रहे हैं। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, केरल के कुल 3.34 करोड़ निवासियों में से लगभग 61.41 लाख ईसाई हैं, जो मुख्य रूप से मध्य केरल में केंद्रित हैं। पारंपरिक रूप से केरल में यह समुदाय कांग्रेस का सहयोग करता रहा है, लेकिन बीजेपी की कोशिश इस समुदाय को कांग्रेस से तोड़ने की रही है। हालिया अतीत के कुछ चुनावों में यह समुदाय बीजेपी के साथ खड़ा होता नजर आया है। इसकी वजह यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित लव जेहाद का शिकार केरल में यह समुदाय भी होता रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर इस समुदाय में भी कुछ वैसा ही गुस्सा है, जैसा उत्तर भारत में हिंदू समाज में ऐसा नजर आता है। कांग्रेस का संकट है कि वह वाममोर्चा का विरोध और समर्थन की उलटबांसी की सटीक काट नहीं खोज पा रही है। इस वजह से राज्य का चुनावी मुकाबला लगातार दिलचस्प होता जा रहा है। वैसे बीजेपी जिस तरह की कोशिश करती नजर आ रही है, उससे सबसे ज्यादा संकट में कांग्रेस की संभावनाएँ ही नजर आ रही है। ऐसा लगता है कि बीजेपी की रणनीति कांग्रेस को इस राज्य की सत्ता से दूर रखने की ही है।

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है। जिस तरह उनकी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन-तीन पासपोर्ट हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का आरोप है कि रिन्की भुइयां सरमा के पास संयुक्त अरब अमीरता, एंटीगुआ और बारबुडा एवं मिस्र का पासपोर्ट है। कांग्रेस ने इसके समर्थन के कुछ दस्तावेज़ों की कॉपी भी दिखाई है। हालांकि हिमंत विस्वसरमा का कहना है कि कांग्रेस हताशा में है और उनकी ओर से कांग्रेस के नेताओं पर मानहानि का केस दायर करने की भी बात कही जा रही है। कांग्रेस एक तरह से अपने इस पुराने सिपाही को भ्रष्टतम साबित करने की कोशिश में है। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि हिमंत के पास अमेरिका में भी कंपनी है, जिसमें बावन हजार करोड़ रूपए जमा हैं। कांग्रेस का यह आरोप राहुल गांधी के आरोपों का विस्तार ही लगता है। राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले उन्होंने अपने पुराने सहयोगी को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया था। राहुल गांधी उन्हें सत्ता में वापसी के बाद जेल भेजने की बात कहते रहे हैं। कांग्रेस की इन आरोपों के जरिए कोशिश सिर्फ हिमंत को ही सवालों के घेरे में रखना नहीं है, बल्कि बीजेपी को भी भ्रष्टाचार बताने की भी है। वैसे हिमंत भी राहुल गांधी की आलोचना करते रहे हैं। अपने कांग्रेस छोड़ने की वजह वे राहुल गांधी को ही बताते रहे हैं। दोनों के रिश्तों के संदर्भ में मौजूदा आरोपों को देखें तो यह निजी खुन्नस का भी मामला लगता है। हिमंत इन आरोपों को निजी खुन्नस बताने और असम के लोगों को समझाने की कोशिश में लगे हैं। अगर वे इसमें कामयाब रहे तो असम में कांग्रेस की चुनावी संभावना दूर होगी। अगर ऐसा हुआ तो फिर कांग्रेस के लिए उत्तर पूर्व में अपनी मौजूदगी बनाए रखना दूर की कौड़ी हो जाएगा। इसका कारण यह है कि हिमंत पूर्वोत्तर भारत में बीजेपी का चेहरा और संकट मोचक बन चुके हैं। अगर कांग्रेस की कोशिशें कामयाब रहीं तो पूर्वोत्तर में बीजेपी की राह कठिन हो जाएगी। हिमंत की हार उसकी चुनावी संभावनाओं पर बड़ा प्रश्नचिन्ह बनकर उभरेगी। असम पर काबू पाने के लिए कांग्रेस ने अपने हरावल दस्ते के हर हथियार मैदान में उतार दिए हैं। कांग्रेस की कोशिशों को पलीता उसकी प्रेस कांफ्रेंस में ही लगता दिखा, जब राष्ट्रीय मीडिया के एक पत्रकार ने उस कंपनी की वेबसाइट खोलकर उसकी स्थापना के तथ्य कांग्रेस प्रवक्ता के सामने पेश करने शुरू कर दिए, जो कांग्रेस के दावे के ठीक उलट नजर आ रहे थे। इसका माकूल और संतोषजनक जवाब कांग्रेस प्रवक्ता नहीं दे पाए।

असम से सटे पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। वहां तो वह लड़ती भी नहीं दिख रही। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कभी कांग्रेस की सिपाही रहीं। केरल की तरह पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस विरोधाभास से जूझ रही है। राष्ट्रीय स्तर पर वह ममता के साथ है, लेकिन राज्य में उसकी पूरी कोशिश ममता को हिमंत की तरह सबक सिखाने की ही लग रही है। दरअसल राज्य में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। हालांकि 2023 में मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले की सगरदीघी सीट के उपचुनाव में कांग्रेस तृणमूल कांग्रेस को हराकर विधानसभा में अपना खाता खोलने में सफल रही थी। मुस्लिम बहुल विधानसभा में कांग्रेस की जीत से ममता की नींद उड़ गई थी। राज्य के करीब पैंतीस फीसद मुस्लिम वोट बैंक में सेंध का डर उन्हें सताने लगा। इसके लिए उन्होंने ऑपरेशन सगरदीघी शुरू किया और यहां से जीते कांग्रेसी विधायक बायरन विश्वास को तृणमूल कांग्रेस में शामिल करा दिया। कांग्रेस ने इसे विश्वासघात माना और लगता ऐसा है कि वह ममता को इन चुनावों में सबक सिखाने की कोशिश कर रही है। वैसे पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य की ग्यारह मुस्लिम बहुल विधानसभा सीटों पर उसके प्रत्याशी पहले नंबर पर रहे थे। इसलिए कांग्रेस यह मानकर चल रही है कि विधानसभा चुनावों में उसे मुस्लिम वोटरों का साथ मिल सकता है। उसकी पूरी रणनीति इसी लिहाज से आगे बढ़ रही है। साफ है कि इस बार के चुनावों में कांग्रेस जहां अपने पुराने सिपाहियों को सिखाने की कोशिश में है, वहीं खुद की संभावनाएं बेहतर करने का भी प्रयास कर रही है।

इश्क में अंधी 'ममता' बनी हैवान, 2 साल की बेटी की हत्या कर नाली में बहाया शव, पति ने बताई कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा के छत्ता क्षेत्र से एक रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मां ने अपने ही जिगर के टुकड़े की बेरहमी से हत्या कर शव को नाली में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है। पिता का आरोप है कि पत्नी ने अपने अवैध संबंधों में बाधा बनने के कारण इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया।

मंगलवार शाम करीब 7 बजे यमुना किनारा मार्ग स्थित 'लड्डू गोपाल' प्रतिमा और यमुना आरती स्थल के बीच बनी एक नाली में 2 वर्षीय मासूम 'खुशी' का शव मिलने से हड़कंप मच गया। पाइपलाइन के बगल में पानी में डूबा होने के कारण शव आसानी से दिखाई नहीं दे रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त शुरू की।

नगला धाकरान निवासी पिता रामू धाकड़ ने बताया कि उनकी शादी नवंबर 2023 में बिहार की रहने वाली ममता से हुई थी। रामू के अनुसार मंगलवार सुबह 11 बजे ममता बेटी खुशी को डॉक्टर के पास ले जाने का बहाना बनाकर घर से निकली थी।जब वह काफी देर तक नहीं लौटी, तो रामू ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। देर रात पुलिस ने फोटो दिखाकर शव की शिनाख्त कराई, जिसे देख पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई।

हत्या की चौंकाने वाली वजह

पीड़ित पिता रामू ने पत्नी पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि ममता का किसी युवक के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। वह अक्सर फोन पर बात करती थी और पहले भी कई बार बिना बताए घर से जा चुकी थी। पिता का दावा है कि अवैध संबंधों के रास्ते से हटाने के लिए ही ममता ने अपनी मासूम बेटी को मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस की कार्रवाई और जांच

पुलिस ने आरोपी मां को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। मामले पर आधिकारिक बयान देते हुए एसीपी छत्ता, शेषमणि उपाध्याय ने बताया कि बच्ची के शरीर पर जाहिर तौर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। मौत की सटीक वजह जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि बच्ची की हत्या गला दबाकर की गई या पानी में डुबोकर। आरोपी महिला से सघन पूछताछ जारी है।

जाली नोट, पिस्टल, 8 मोबाइल और... एएमयू में एमसीए छात्र का कमरा देख पुलिस भी हैरान, क्या फेक सर्टिफिकेट से लिया एडमिशन?

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां सर जियाउद्दीन हॉल के कमरा नंबर Z-37 से पिस्टल, जाली नोट, कारतूस के खोखे और फर्जी दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इसी कमरे में एमसीए का छात्र शहबाज उर्फ छोटू रह रहा था। पुलिस और एएमयू की प्रॉक्टोरियल टीम की छापेमारी के दौरान आरोपी शहबाज मौके से फरार हो गया। कमरे को सील कर दिया गया है और उसके खिलाफ सिविल लाइन थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

यह कार्रवाई 6 अप्रैल 2026 को क्वार्सी थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना से जुड़ी बताई जा रही है। 6 अप्रैल की रात करीब 10:30 बजे अलीगढ़ के अनूपशहर रोड स्थित एफएम टॉवर इलाके में एक शादी समारोह के बाहर गाड़ी आगे-पीछे करने को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि एएमयू के कुछ छात्रों ने बुजुर्ग शाहिद अली के साथ मारपीट की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन हमलावर वहां से फरार हो गए।

इसके बाद अगली सुबह करीब 4:30 बजे थाना क्वार्सी क्षेत्र की आशियाना ग्रीन सोसाइटी में शाहिद अली के घर के बाहर दोबारा हमला किया गया। इस दौरान फायरिंग भी की गई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने इस मामले में बुलंदशहर के छतारी नारायणपुर निवासी अशरफ, सुलेमान हॉल के छात्र, एफएम टॉवर निवासी फैसल, मोहम्मद साकिब और उनके अन्य साथियों को आरोपी बनाया। इनमें से तीन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर शहबाज उर्फ छोटू का नाम भी सामने आया, जो फायरिंग की घटना में शामिल बताया गया। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी। जानकारी के अनुसार, शहबाज एएमयू में एमसीए द्वितीय वर्ष का छात्र है और मूल रूप से शहंशाहाबाद का रहने वाला है। वह सर जियाउद्दीन हॉल में अवैध रूप से रह रहा था और पहले से रह रहे दो छात्रों को धमकाकर कमरे पर कब्जा कर लिया था।

पुलिस को कमरे से क्या-क्या मिला?

पुलिस ने एसपी सिटी आदित्य बंसल, सीओ तृतीय सर्वम सिंह और संबंधित थाना पुलिस के साथ मिलकर छापेमारी की। तलाशी के दौरान कमरे से 32 बोर पिस्टल की दो मैगजीन, 15 बोर के चार खोखे, 9 एमएम की चली हुई गोली का हिस्सा, आठ मोबाइल फोन, एक लैपटॉप (जो किसी अन्य छात्र का निकला), डिजिटल साइनिंग पैड और 100 रुपये के छह नकली नोट बरामद किए गए। इसके अलावा शहबाज के नाम पर सीबीएसई हाईस्कूल की दो संदिग्ध मार्कशीट भी मिलीं, जिनमें जन्मतिथि में 10 साल का अंतर पाया गया। एएमयू के दो नामांकन पत्र भी मिले, जिनमें शैक्षणिक जानकारी में विसंगतियां हैं। इस बरामदगी से पुलिस भी हैरान है। एएमयू प्रॉक्टर प्रो। मोहम्मद नवेद खान ने कहा कि शुरुआती जांच में मामला फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दाखिले का प्रतीत होता है। सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है और जरूरत पड़ने पर विश्वविद्यालय स्तर से भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और फरार शहबाज की तलाश जारी है।

कुड़वार पंचायत भवन में फार्मर रजिस्ट्री का निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

कुड़वार/सुल्तानपुर। पंचायत भवन कुड़वार में चल रही फार्मर रजिस्ट्री प्रक्रिया का निरीक्षण एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी द्वारा किया गया। इस दौरान राजस्व निरीक्षक शिवप्रसाद, लेखपाल राजेश श्रीवास्तव तथा कृषि अधिकारी भी मौके पर उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने रजिस्ट्री कार्य की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना गया। अधिकारियों ने उपस्थित किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इससे किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से और पारदर्शिता के साथ मिल सकेगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे समय रहते अपना पंजीकरण अवश्य कराएं, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मरम्मत करते मिट्टी धंसने से दो मजदूरों की मौत

जौनपुर। गैस पाइपलाइन की मरम्मत के दौरान मिट्टी धंसने से दो मजदूरों की मौत हो गई है. एक मजदूर अभी भी फंसा है, जिसके लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है. यह हादसा केराकत कोतवाली थाना क्षेत्र के देवकली बाजार स्थित चैकिया शिवालय के पास बुधवार देर रात की है। अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि सूचना मिलते ही तत्काल राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया. दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. प्रारंभिक जांच में मिट्टी धंसने को हादसे का कारण माना जा रहा है, वहीं पूरे मामले की जांच जारी है.। सीओ अजीत कुमार रजक ने बताया कि मृतकों की पहचान 32 वर्षीय निरंजन कुमार महतो और 20 वर्षीय प्रिंस कुमार निवासी मुजफ्फरपुर, बिहार के रूप में हुई है. उन्होंने बताया कि दोनों मजदूर पाइपलाइन में हुए लीकेज को ठीक करने के लिए गड्ढे के अंदर वेल्डिंग कर रहे थे। इसी दौरान मिट्टी धंस गई और यह मजदूर उसमें दब गए. हादसे की सूचना मिलते ही केराकत कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंचे।

सांप-सीढ़ी खेल के जरिए दिए डायरिया से बचाव के संदेश

आर्यावर्त संवाददाता

फर्रुखाबाद। जिले में इस समय चलाये जा रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत मलेरिया, फाइलेरिया व अन्य मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के जरूरी संदेश जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही दस्त नियंत्रण के बारे में भी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा जनसमुदाय को जानकारी प्रदान की जा रही है।

इसी क्रम में गुरुवार को मोहल्ला चिलपुरा में नगरीय स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सा अधिकारी (मेडिकल ऑफिसर) डॉ. शोभा सक्सेना की अध्यक्षता में महिला आरोग्य समिति की बैठक हुई। बैठक में उपस्थित लोगों को डायरिया रोकथाम, टीकाकरण, आयुष्मान योजना व अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी 1 डॉ. शोभा ने सांप-सीढ़ी खेल के जरिये रोचक अंदाज में बताया कि छोटे बच्चों की समुचित देखभाल भी एक अद्भुत कला है, बच्चों की सही परवरिश और स्वास्थ्य का सही ख्याल न रखा जाए तो बच्चे डायरिया समेत कई बीमारियों के शिकार हो सकते हैं 1 डायरिया से बचने के लिए हमें अपनी नजदीक की आशा कार्यकर्ता से संपर्क करना चाहिए 1 उन्होंने कहा कि दिन भर में अगर बच्चे को दो या तीन से अधिक बार पानी जैसी पतली दस्त आए तो बच्चे को आशा कार्यकर्ता द्वारा दी जाने वाली जिंक की गोली और ओआरएस का सेवन बताई गयी मात्रा के अनुसार ही कराएं जिससे बच्चे के शरीर में पानी की कमी न होने पाए।

इस दौरान पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) से अनुपम मिश्र, एएनएम योगेंद्रवती, महिला आरोग्य समिति की अध्यक्ष उर्मिला, आशा प्रीति चौहान सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

बरेली में 24 घंटे में नौ मिमी बारिश, आठ डिग्री लुढ़का तापमान, मौसम ने कराया ठंड का अहसास

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली में सप्ताहभर से मंडरा रहे बादल बुधवार को आधे घंटे तक झूमकर बरसे। इससे दिन का पारा आठ डिग्री लुढ़ककर सामान्य से 11 डिग्री कम दर्ज हुआ। अप्रैल में फरवरी जैसी हल्की ठंड का अहसास हुआ। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को भी तेज हवा और बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि सुबह ही धूप खिल गई है, जिससे दिन के तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है।

मौसम विभाग से जारी बुलेटिन के अनुसार, करीब चार साल बाद अप्रैल में महज एक दिन (24 घंटे) में नौ मिमी बारिश हुई। इससे पहले 2024 में चार, 2023 में दो, 2022 में पांच, 2021 में छह मिमी बारिश हुई थी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ अतुल कुमार के मुताबिक, मध्य क्षोभमंडल में पाकिस्तान और पंजाब के पास मंडरा रहे पश्चिमी विक्षोभ और निम्न क्षोभमंडल के संयुक्त प्रभाव से पहाड़ों से सटे मैदानी इलाकों में अचानक निम्न वायुदाब का क्षेत्र बना। तेज हवा संग घने बादल चार साल बाद अप्रैल में 24 घंटे में हुई नौ मिमी बारिश, हवा ने कराया ठंड का अहसास घिरे और अंधेरा सा हो गया। अनुकूल माहौल मिलने पर करीब आधे घंटे तक बारिश हुई।

बृहस्पतिवार को भी बारिश के आसार

झमाझम बारिश से अधिकतम तापमान लुढ़ककर 25.1 डिग्री दर्जन किया गया। शाम को हवा और सर्द होने लगी और न्यूनतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हवा में नमी 85 फीसदी रही। मौसम विशेषज्ञ ने बृहस्पतिवार को भी अनुकूल माहौल बनने पर बादल छाने और बारिश के आसार जताए हैं। फिलहाल सुबह से ही मौसम साफ है और धूप खिल हुई है।

बारिश से छह उपकेंद्र ठप, लोकल फॉल्ट की झड़ी

तेज हवा व बारिश के चलते बुधवार को शहर के छह उपकेंद्र ठप हो गए। आठ अन्य फीडरों से भी आपूर्ति बंद रही। बारिश थमने के बावजूद फॉल्ट की मरम्मत में देरी होने से उपभोक्ता परेशान हुए। रामपुर बाग स्थित बिजली निगम के दफ्तर में भी कर्मचारी मोबाइल फोन की टार्च जलाकर जरूरी काम निपटाते दिखे। इस दौरान हेल्प डेस्क पर फोन घनघनाते रहे। दोपहर करीब एक बजे तेज हवा के साथ झमाझम बारिश शुरू हुई तौ सदर कैंट में तार टूटकर नाले में गिर गया। इससे 1:40 बजे बिजली कट गई। सिविल लाइंस प्रथम, हेलेन रोड, सर्किट हाउस क्षेत्र में आधे घंटे से अधिक समय तक आपूर्ति ठप रही। डीडीपुरम फीडर 1:15 से 2:30 बजे तक बंद रहा।

फायरिंग करते पिकअप सवार चोर दो भैंस ले गये

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कूकुडीपुर गांव से पिकअप सवार चोर दो भैस लाद ले गए । जबकि तीसरा लादने के प्रयास में पशु मालिक जाग उठे और चिल्लाने पर वह ईट पत्थर चलाते व फायरिंग करते हुए भाग निकले। घटना से लेकर क्षेत्र में दहशत है। कुकुडीपुर गांव के निवासी रामसागर यादव देवकली माइनर के समीप बनी पाही पर सो रहे थे और वही उनके गाय भैंस अन्य मवेशी भी रहते थे। बुधवार को रात करीब 12 बजे पशुशाला मे पशुओं के बोलने की आवाज सुनकर जागे, तो देखा कुछ लोग मुंह बांधकर भैंस खूटे से छोड़ रहे थे । वह चिल्लाते व ललकारते हुए चोरो की तरफ बढे, इस दौरान भैंस चोरों ने उन पर ही पत्थर चलाना शुरू कर दिया और एक भैंस लेकर पिकअप में लाद भी लिए दूसरी पडिया भैंस पहले से लाद चुके थे। तीसरी भैस छोड़ने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन रामसागर के चिल्लाने पर वह ईट पत्थर चलाते हुए फायरिंग भी कर दिया।

ज्योति मर्डर केस : सौतन बनना बर्दाश्त नहीं कर पाई सुमन, पति के साथ भागने वाली बहन का कैसे किया कत्ल?

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के तारा वाली मिलक गांव में एक युवती की मौत मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, 22 साल की ज्योति की हत्या की गई थी। उसकी हत्या उसकी सगी बहन सुमन और बहनोई मुकेश ने मिलकर की थी। इस वारदात की जड़ में एक गुपचुप कोर्ट मैरिज थी। संभल जनपद के सादेरनपुर निवासी ज्योति के पिता ने पुलिस को बताया कि मुकेश उनकी बेटी को इलाज के बहाने अपने साथ ले गया था। इसके बाद वह उसे मुरादाबाद ले आया, जहां दोनों ने बिना किसी को बताए कोर्ट मैरिज कर ली। जब इस विवाह की जानकारी मुकेश की पहली पत्नी सुमन को हुई, तो वह बुरी तरह टूट गई। अपनी ही सगी बहन को सौतन के रूप में स्वीकार करना उसके लिए असंभव था। यही गुस्सा धीरे-धीरे एक खतरनाक साजिश में बदल गई। पुलिस जांच में सामने आया कि सुमन और मुकेश ने मिलकर ज्योति को रास्ते से हटाने की योजना बनाई।

इस साजिश को अंजाम देने के लिए सुमन ने 25 मार्च को ज्योति और मुकेश को अपने घर बुलाया। पहली नजर में यह सुलह का प्रयास लग रहा था, लेकिन सुमन के मन में बदले की आग सुलग रही थी। उसी रात घर के अंदर तीनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद सुमन और मुकेश ने मिलकर ज्योति का गला घोंट दिया।

अपराध को छिपाने के लिए झूठी कहानी गढ़ी

हत्या के बाद दोनों ने इस अपराध को छिपाने के लिए एक झूठी कहानी गढ़ी। उन्होंने दावा किया कि ज्योति को अचानक दौरा पड़ा और उसकी मौत हो गई। शव को सामान्य दिखाने की कोशिश भी की गई, ताकि किसी को शक न हो। हालांकि, ज्योति के गले पर पड़े निशानों ने पूरी सच्चाई उजागर कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया, जिसमें स्पष्ट हुआ कि मौत गला घोंटने यानी स्ट्रैंगुलेशन से हुई है। इसके बाद पुलिस ने सुमन और मुकेश को हिरासत में लेकर पूछताछ की। शुरुआत में दोनों ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन साक्ष्यों के दबाव में उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने हत्या से जुड़े सभी आवश्यक सबूत जुटाने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

टोल तो होगा, मगर नहीं कटेगी जेब बिना पैसे दिए कौन इस्तेमाल कर सकेगा दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का ये हिस्सा?

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन आगामी 14 अप्रैल को होने जा रहा है। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से न केवल दिल्ली से उत्तराखंड की दूरी कम होगी, बल्कि खजूरी पुश्ता पर लगने वाले भीषण जाम से भी मुक्ति मिल जाएगी। इसी बीच, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने स्थानीय लोगों को एक बड़ी राहत देते हुए स्पष्ट किया है कि सर्विस रोड का इस्तेमाल करने वालों से कोई टोल टैक्स नहीं वसूला जाएगा।

एक्सप्रेसवे के निर्माण के साथ ही लोनी बॉर्डर पर एक विशाल टोल प्लाजा बनाया गया है। उद्घाटन के बाद जैसे ही यहां टोल वसूली शुरू होगी, स्थानीय निवासियों को इस बात का डर सता रहा था कि अपनी ही कॉलोनी या पास के बाजार (जैसे करावल नगर) जाने के लिए उन्हें भारी-भरकम टोल चुकाना पड़ेगा। सबापुर गांव और आसपास के इलाकों के लोगों को फिलहाल करावल नगर पहुंचने के लिए बॉर्डर पर सर्विस लेन से यू-टर्न लेना पड़ता है। लोगों को अंदेशा था कि NHAI इस सर्विस रोड पर भी अपनी नजरें गड़ाए हुए है।

टोल की चिंता इतनी गहरी थी कि स्थानीय संगठनों और निवासियों ने विरोध प्रदर्शन की रूपरेखा तक तैयार कर ली थी। हालांकि, किसी भी विवाद से पहले ही NHAI के परियोजना निदेशक अरविंद कुमार ने स्थिति साफ कर दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सर्विस रोड पूरी तरह टोल-फ्री रहेगी। टोल केवल उन वाहन चालकों से लिया जाएगा जो मुख्य हाईवे का उपयोग कर लंबी दूरी की यात्रा करेंगे।

नगर निगम टोल बूथ को हटाने की मांग

सर्विस रोड पर राहत मिलने के बाद अब स्थानीय लोगों ने एक नई मांग उठाई है। लोनी से दिल्ली की ओर जाते समय करावल नगर के पास पहले से ही दिल्ली नगर निगम (MCD) का एक टोल बूथ मौजूद है। आरडब्ल्यूए (RWA) और ग्रामीणों का कहना है कि जब एक्सप्रेसवे का अपना सिस्टम चालू हो रहा है, तो इस पुराने बूथ को यहाँ से हटाकर कहीं और शिफ्ट किया जाना चाहिए ताकि स्थानीय यातायात और सुगम हो सके।

विकास की नई उड़ान है ये एक्सप्रेसवे

इस हाईवे के शुरू होने से दिल्ली के अक्षरधाम से देहरादून तक का सफर बेहद आसान हो जाएगा। सबापुर गांव के सुनील चौधरी और करावल नगर पश्चिम RWA के अध्यक्ष डॉ। डीएस पुंडीर ने NHAI के इस फैसले का स्वागत किया है। उनका कहना है कि सर्विस लेन को टोल-फ्री रखना एक सराहनीय कदम है, जिससे आम आदमी की जेब पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा।

थ्रेशर के अन्दर खिंचता गया श्रमिक, दर्दनाक मौत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के दीनापुर गांव में गुरुवार को गेहूं की मड़ाई के दौरान एक हृदयविदारक हादसा हो गया। थ्रेशर मशीन की चपेट में आने से एक श्रमिक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि शव कई टुकड़ों में बंट गया, जिसे देखकर मौके पर मौजूद लोग सिहर उठे। मृतक की पहचान 35 वर्षीय मुलायम बनवासी पुत्र लालचंद निवासी बनकट बहरैची जिला भदोही के रूप में हुई है। वह पिछले लगभग चार वर्षों से अपने ससुराल भदरांव गांव में पत्नी और एक पुत्र के साथ रह रहा था। परिवार के भरण-पोषण के लिए वह मजदूरी करता था और गांव निवासी पंडित सरोज के ट्रैक्टर-थ्रेशर पर श्रमिक के रूप में कार्यरत था।बताया जा रहा है कि गुरुवार को वह अपने ससुर, साले और अन्य लोगों के साथ बगल के दीनापुर गांव में गेहूं की मड़ाई कर रहा था। मड़ाई के दौरान वह प्लास्टिक की तिरपाल में गेहूं की बालियां भरकर थ्रेशर में डाल रहा था।इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह थ्रेशर के अंदर खिंचता चला गया। जब तक आसपास मौजूद लोग मशीन को बंद करते तब तक उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए।सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से थ्रेशर में फंसे शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर-थ्रेशर को कब्जे में लेकर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी पूजा का रो-रोकर बुरा हाल है। वह गर्भवती बताई जा रही है, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

बेकार समझकर फेंक देते हैं तरबूज के छिलके, ऐसे आ सकते हैं काम

तरबूज गर्मियों का ऑलटाइम फेवरेट फ्रूट है। बच्चे इसे खाने के ज्यादा शौकीन होते हैं। इसे खाने वालों में अधिकतर इसके छिलकों को फेंकने की भूल करते हैं। जानें आप छिलकों को किन-किन तरीकों से फिर यूज में ले सकते हैं।

क्या आप भी गर्मियों के फेवरेट फ्रूट तरबूज के छिलकों को फेंकने की गलती करते हैं। तरबूज एक हाई हाइड्रेटिंग फ्रूट है और ज्यादातर लोग इसके बीच के लाल हिस्से को खाकर बाकी चीजों को फेंक देते हैं। न सिर्फ इसके छिलके बल्कि बीजों को भी इस्तेमाल में लिया जा सकता है। छिलकों की बात करें तो आप इसका मुरब्बा तक बना सकते हैं। गर्मियों में इसका सेवन सबसे बढ़िया माना जाता है क्योंकि इसमें 95 फीसदी पानी होता है। ये बॉडी को भीषण गर्मी में भी हाइड्रेटिंग और ठंडा रखने में कारगर है। कहते हैं कि कुछ लोग गर्मी का इंतजार न सिर्फ आम बल्कि तरबूज के लिए भी करते हैं और इनमें सबसे ऊपर बच्चे हैं।

लोग तरबूज को काटकर, इसकी ड्रिंक बनाकर यहां तक कि इसे दूध में डालकर भी खाते हैं। लेकिन छिलकों की वैल्यू ज्यादातर नहीं जानते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किन-किन तरीकों को आजमाकर छिलकों का रियूज कर सकते हैं।

तरबूज के तत्व

तरबूज में नेचुरल शुगर काफी होती है लेकिन लो कैलोरी फ्रूट होने की वजह से ये शरीर को कई फायदे पहुंचाता है। इसका सबसे बड़ा फायदा ये हाइड्रेटिंग बेनिफिट्स से भरपूर है। दरअसल, इसमें पानी की मात्रा करीब 95 फीसदी होती है। 100 ग्राम तरबूज में करीब 30 से 45 कैलोरी होती है और इसमें कार्ब्स 7.55 ग्राम से 7.6 ग्राम के बीच होते हैं। बाकी न्यूट्रिएंट्स की बात करें तो इसमें नेचुरल शुगर 6.2 ग्राम, फाइबर 0.4 ग्राम, प्रोटीन 0.6 ग्राम, फैट 0.15 ग्राम, विटामिन सी ₹8.1 एमजी, विटामिन ए ₹28-569 आईयू, पोटेशियम ₹112 एमजी और लाइसोपेने ₹ 4530 एमसीजी होता है।

तरबूज के छिलकों को ऐसे करें यूज

अचार बनाने में आएंगे काम

आप चाहे तो तरबूज के छिलकों का अचार बना सकते हैं। इसमें खट्टा-मीठा स्वाद मिलेगा। तरबूज के बीच के हिस्से को खाने के बाद इसके छिलकों के सफेद हिस्से को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इनमें नमक, हल्दी और सौंफ समेत दूसरे मसाले मिलाएं। एक पैन में सरसों के तेल को गर्म करें और इसमें अचार का मसाला डालें। अब एक कांच के बर्तन में सभी चीजों को मिक्स करके धूप में दो से तीन दिन के लिए छोड़ दें। आपका अचार तैयार है।

तरबूज के छिलकों का मुरब्बा

इस लाल मीठे फल को खाने के बाद इसके छिलकों के सफेद हिस्से का आप मुरब्बा भी बना सकते हैं। इसका स्वाद बेहद शानदार होता है और लंबे समय के लिए चलता भी है। इसके लिए आपको तरबूज के छिलकों से हरे भाग को अलग करना है और सफेद हिस्से को टुकड़ों में काट लेना है। इन्हें उबालकर चाशनी में डाल दें। चाहे तो इलायची और केसर को डालकर स्वाद दोगुना कर सकते हैं। आपका तरबूज का मुरब्बा कुछ ही मिनटों में तैयार हो सकता है।

स्मूदी बनाकर पिएं

तरबूज के बीच के हिस्से को खाने के बाद इसके छिलके की स्मूदी भी बनाई जा सकती है। लाल के अलावा तरबूज के बाकी हिस्सों में भी तत्व मौजूद होते हैं। छिलकों से हरी खाल को हटाएं और सफेद भाग को छोटे टुकड़ों में काट लें। अब मिक्सी में इसे ग्राइंड करें और आपकी स्मूदी तैयार है। आप चाहे तो इसमें भीगे हुए चिया या सब्जा सीड्स को भी डाल सकते हैं। इससे न्यूट्रिशनल वैल्यू और टेस्ट दोनों बढ़ जाएंगे।

इन 5 टिप्स की मदद से सालों तक चलेगा आपका फ्रिज, बार-बार रिपेयर करवाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

मार्च 2026 के अंत में उत्तरी और मध्य भारत के कई हिस्सों में भीषण गर्मी ने दस्तक दे दी है, और तापमान सामान्य स्तर से काफी ऊपर चला गया है। आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे भीषण गर्मी और लू चलने जैसी स्थितियां पैदा हो सकती हैं। नतीजतन, लोग अपने रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल न केवल खाने-पीने की चीजों को सुरक्षित रखने के लिए कर रहे हैं, बल्कि पीने के पानी को ठंडा रखने के लिए भी कर रहे हैं।

वैसे तो घरों में साल के ज्यादातर समय रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल होता ही है, लेकिन गर्मियों के मौसम में इसके बिना किचन के काम-काज संभालना लगभग नामुमकिन हो जाता है। इसलिए, इस उपकरण का ठीक से रखरखाव करना और इसका सही तरीके से इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। अगर आप गर्मियों के मौसम में रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल कर रहे हैं और चाहते हैं कि यह लंबे समय तक चले (खास तौर पर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि गर्मी के मौसम में यह बिल्कुल भी खराब न हो) तो आज हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर करने जा रहे हैं, जो आपके फ्रिज को लंबे समय तक बिना किसी परेशानी के काम करने में मदद करेंगे।।।

इन टिप्स का पालन करने से सालों तक बिना मरम्मत के चलेगा आपका फ्रिज।।।।

फ्रिज के दरवाजें की रबर सील बदलें: अगर आप चाहते हैं कि आपका फ्रिज लंबे समय तक चले और उसमें कोई खराबी न आए, तो हर 12 महीने में इसके डोर पर लगी रबर सील की जांच करें। अगर वह ढीली हो जाए या कहीं से फट जाए, तो उसे बदल दें। अगर आप फ्रिज की रबर सील नहीं बदलते हैं, तो यूनिट पानी को ठीक से ठंडा नहीं कर पाएगी, और इससे कंप्रेसर पर भी बहुत अधिक जोर पड़ेगा। फ्रिज की रबर सील (गैस्केट) खराब होने पर ठंडी हवा बाहर निकलती है और गर्म हवा अंदर आती है, जिससे कूलिंग कम हो जाती है और कंप्रेसर पर लगातार दबाव पड़ता है। इससे बिजली का बिल बहुत बढ़ जाता है, फ्रिज के अंदर बर्फ जम सकती है और यहां तक कि कंप्रेसर जल सकता है।

कंडेंसर कॉइल्स को साफ करें: अपने फ्रिज को खराब होने से बचाने के लिए, इसके कंडेंसर कॉइल्स को साल में कम से कम दो बार साफ करना चाहिए। इससे फ्रिज की लगभग 70 प्रतिशत आम समस्याएं हल हो जाती हैं। असल में, कॉइल्स और पंखे पर धूल जमने से कंडेंसर ठीक से काम करना बंद कर देता है, जिसके कारण कूलिंग ठीक से नहीं हो पाती। वहीं यदि आपके घर में पालतू जानवर हैं, तो हर 2-3 महीने में सफाई करें, क्योंकि उनके बाल कॉइल्स को जल्दी बंद कर सकते हैं।

फ्रीजर के वेंट्स साफ करें: फ्रीजर के वेंट्स को साफ न करने से कूलिंग से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसे समस्या से को रोकने के लिए, वेंट्स को साफ रखना बेहद जरूरी होता है, वेंट्स को साफ रखने से फ्रीजर के अंदर सही वेंटिलेशन बना रहता है और, इसके अलावा, इलेक्ट्रिसिटी बचाने में भी मदद मिलती है।

रेफ्रिजरेटर का तापमान 38 से 42 डिग्री फारेनहाइट के बीच रखें: अपने रेफ्रिजरेटर का तापमान हमेशा 38 से 42 डिग्री फारेनहाइट के बीच बनाए रखें। इसके अलावा, तापमान कंट्रोल सेटिंग्स पर नियमित रूप से नजर रखें और यह सुनिश्चित करें कि यूनिट में जरूरत से ज्यादा सामान न भरा हो। इन उपायों का पालन करके आप अपने रेफ्रिजरेटर को खराब होने से बचा सकते हैं।

रेफ्रिजरेटर को डीफ्रॉस्ट करें: अपने रेफ्रिजरेटर को नुकसान से बचाने के लिए, समय-समय पर उसे डीफ्रॉस्ट करते रहें। डीफ्रॉस्ट करने से यूनिट के अंदर बर्फ जमने से बचाव होता है और बिजली की खपत कम करने में भी मदद मिलती है। रेफ्रिजरेटर को डीफ्रॉस्ट करने के लिए, सबसे पहले उसकी बिजली बंद कर दें और उसमें से सारा सामान निकाल लें। दरवाजा खुला छोड़ दें या बर्फ पिघलाने के लिए उसके अंदर गर्म पानी का एक कटोरा रख दें। किसी भी नोकदार चीज का इस्तेमाल न करें। जब बर्फ पिघल जाए, तो पानी पोंछ लें, अंदर से बेकिंग सोडा से साफ करें, फिर उसे अच्छी तरह सुखा लें और रेफ्रिजरेटर को दोबारा चालू कर दें।

स्प्रे बनाम क्रीम : गर्मियों के दौरान कौन-सी सनस्क्रीन करती है धूप से बेहतर बचाव?

सनस्क्रीन का उपयोग सूरज की हानिकारक किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किया जाता है। यह विभिन्न रूपों में उपलब्ध है, जिनमें स्प्रे और क्रीम सबसे ज्यादा प्रचलित हैं। गर्मियों में ज्यादातर लोग क्रीम सनस्क्रीन को प्राथमिकता देते हैं, वहीं कुछ लोगों को स्प्रे वाला विकल्प समझ आता है। आइए जानते हैं कि गर्मियों के लिए कौन-सी सनस्क्रीन धूप से बेहतर बचाव कर सकती है और त्वचा की देखभाल में मदद कर सकती है।

स्प्रे सनस्क्रीन के लाभ

स्प्रे सनस्क्रीन का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसे लगाना बहुत आसान होता है। जब आप बाहर हों या जल्दी में हों तो इसे चेहरे और शरीर पर आसानी से छिड़ककर लगाया जा सकता है। यह जल्दी सूख जाती है और चिपचिपाहट महसूस नहीं होती, जो इसे गर्मियों के लिए आदर्श बनाता है। यह आपके मेकअप को भी खराब नहीं करती और आसानी से त्वचा में समा जाती है।

क्रीम सनस्क्रीन के लाभ

क्रीम सनस्क्रीन भी अपने आप में खास होती है। यह गहराई तक त्वचा में समाती है और लंबे समय तक असरदार रहती है। अगर आप लंबे समय तक धूप में रहते हैं या स्विमिंग करते हैं तो क्रीम सनस्क्रीन अधिक प्रभावी हो सकती है। यह त्वचा को नमी प्रदान करती है और सूखने का डर नहीं रहता। इसके अलावा इसका असर लंबे समय तक बना रहता है, जिससे आपको अधिक सुरक्षा मिलती है।

स्प्रे बनाम क्रीम: क्या है अंतर?

स्प्रे और क्रीम सनस्क्रीन, दोनों ही सूरज की हानिकारक किरणों से बचाव करती हैं। हालांकि, इनके फार्मूले अलग होते हैं। स्प्रे सनस्क्रीन में हल्का फॉर्मूला होता है, जो त्वचा पर जल्दी अवशोषित हो जाता है। वहीं क्रीम सनस्क्रीन का फॉर्मूला गाढ़ा होता है, जो त्वचा को गहराई तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा स्प्रे सनस्क्रीन जल्दी सूख जाती है, जबकि क्रीम सनस्क्रीन को सूखने में थोड़ा समय लगता है।

मौसम का रखें ध्यान

मौसम भी सनस्क्रीन चुनते समय अहम भूमिका निभाता है। गर्मियों में जब तापमान ज्यादा होता है और पसीना आता है तो स्प्रे सनस्क्रीन अधिक उपयुक्त हो सकती है, क्योंकि इसे लगाना आसान होता है और यह जल्दी सूख जाती है। वहीं सर्दियों में जब हवा सूखी होती है और त्वचा को अधिक नमी की जरूरत होती है तो क्रीम सनस्क्रीन बेहतर विकल्प हो सकती है, क्योंकि यह त्वचा को गहराई तक नमी प्रदान करती है।

त्वचा का प्रकार भी है अहम

आपकी त्वचा का प्रकार भी इस बात पर असर डालता है कि कौन-सी सनस्क्रीन बेहतर होगी। अगर आपकी त्वचा तैलीय प्रकार की है तो स्प्रे सनस्क्रीन बेहतर रहेगी, क्योंकि यह फुंसियों से बचाने में मदद करती है। वहीं सूखी त्वचा वालों के लिए क्रीम सनस्क्रीन अधिक उपयुक्त हो सकती है, क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करती है। संवेदनशील त्वचा वालों को भी क्रीम सनस्क्रीन अधिक सुरक्षित लग सकती है।

चिमनी से टाइल्स तककिचन में जमी जिद्दी चिकनाई मिनटों में होगी साफ, आजमाएं ये ट्रिक्स

किचन हर घर का एक जरूरी हिस्सा होता है। इसे साफ रखना भी उतना ही जरूरी होता है। लेकिन लगातार तेल की छीटें, मसाले और धुएं की वजह से किचन की दीवार, टाइल्स और चिमनी पर जिद्दी चिकनाई जमा हो जाती है। चलिए इसे साफ करने के लिए कुछ आसान हैक्स बताते हैं।

अगर आप भी किचन की जमी हुई गंदगी से परेशान हैं और कोई आसान, असरदार और बजट-फ्रेंडली तरीका ढूंढ रहे हैं, तो ये किचन हैक्स आपके लिए बेहद काम के साबित हो सकते हैं। इन आसान टिप्स को अपनाकर आप अपनी किचन को फिर से नया जैसा चमका सकते हैं और किचन की साफ-सफाई को बनाए रख सकते हैं। अक्सर देखा जाता है कि किचन की टाइल्स, चिमनी और बर्नर जैसी चीजों पर जमी गंदगी को साफ करने के लिए लोग महंगे केमिकल्स का सहारा लेते हैं, लेकिन इसके बावजूद मनचाहा रिजल्ट नहीं मिल पाता। वहीं, कुछ आसान और घरेलू तरीके ऐसे भी हैं, जिनकी मदद से आप बिना ज्यादा मेहनत के जिद्दी गंदगी को मिनटों में साफ कर सकते हैं।

दरअसल, लगातार धुआं, तेल की छीटों के कारण टाइल्स, चिमनी और गैस का हाल बुरा हो जाता है। ये गंदगी धीरे-धीरे इतनी बढ़ जाती है कि उसे साफ करना एक मुश्किल काम लगने लगता है। कई बार लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे न सिर्फ किचन गंदा दिखता है, बल्कि बहुत अनहाइजीनिक भी लगता है। ऐसे में चलिए जानते हैं किचन को चमकदार बनाने वाले स्मार्ट हैक्स।

सिरका और बेकिंग सोडा का जादू

किचन की टाइल्स, चिमनी और स्लैब पर जमी चिकनाई हटाने के लिए सिरका और बेकिंग सोडा बेहद असरदार कॉम्बिनेशन है।सबसे पहले गंदी जगह पर बेकिंग सोडा छिड़कें, फिर उस पर सिरका स्प्रे करें। कुछ मिनट तक इसे ऐसे ही छोड़ दें ताकि ग्रीस ढीली हो जाए। इसके बाद स्पंज या ब्रश से हल्के हाथों से रगड़ें और साफ पानी से पोंछ लें। इससे जिद्दी चिकनाई आसानी से हट जाती है।

गर्म पानी और डिशवॉश लिक्विड

चिमनी और किचन टाइल्स की रोजमर्रा की चिकनाई साफ करने के लिए गर्म पानी और डिशवॉश लिक्विड काफी कारगर होता है। एक बाउल में गर्म पानी लें और उसमें थोड़ा सा डिशवॉश लिक्विड मिलाएं। अब इस घोल में कपड़ा या स्पंज डुबोकर गंदी सतह पर साफ करें। यह तरीका चिकनाई को जल्दी घोल देता है और किचन को साफ-सुथरा बनाता है।

नींबू और नमक से डीप क्लीनिंग

नींबू में मौजूद एसिड और नमक की स्क्रबिंग पावर मिलकर जिद्दी ग्रीस को हटाने में मदद करती है। नींबू को आधा काटकर उस पर नमक लगाएं और सीधे टाइल्स या चिमनी पर रगड़ें। कुछ देर बाद गीले कपड़े से साफ कर लें। इससे न सिर्फ चिकनाई हटती है बल्कि किचन में ताजगी भरी खुशबू भी आती है।

बेकिंग सोडा पेस्ट से जमी परत साफ करें

अगर किचन में बहुत ज्यादा पुरानी और जिद्दी गंदगी जमा हो गई है, तो बेकिंग सोडा का पेस्ट बनाकर इस्तेमाल करें। बेकिंग सोडा में थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें और इसे गंदी जगह पर लगाकर 10 से 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद फिर ब्रश से रगड़कर साफ करें और गीले कपड़े से पोंछ लें। इससे मोटी चिकनाई की परत भी आसानी से निकल जाती है।

अब फ्लाइट में सफर करना होगा महंगा, टिकट बुक करने से पहले जानिए कितने रुपए बढ़े रेट

टाटा संस की एयरलाइन एयर इंडिया ने मंगलवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने का ऐलान किया है। इसकी वजह वैश्विक स्तर पर जेट ईंधन के दामों में बढ़ोतरी होना है। नया सरचार्ज 8 अप्रैल से प्रभावी होगा।

एयर इंडिया की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि सरकार द्वारा विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 25 प्रतिशत बढ़ोतरी की सीमा तय करने के बाद, वह घरेलू मार्गों पर फ्लैट सरचार्ज लगाने के बजाय दूरी-आधारित प्राइस मॉडल को फॉलो करेगा।

घरेलू उड़ानों पर यात्रियों को 500 किमी तक की उड़ानों के लिए 299 रुपए, 501 से 1000 किमी के लिए 399 रुपए, 1001 से 1500 किमी के लिए 549 रुपए, 1501 से 2000 किमी के लिए 749 रुपए और 2000 किमी से अधिक की दूरी के लिए 899 रुपए का फ्यूल सरचार्ज देना होगा। ये नए किराए 8 अप्रैल को सुबह 9 बजे से लागू होंगे।

अंतरराष्ट्रीय मार्गों के लिए, एयर इंडिया ने क्षेत्र-विशिष्ट सरचार्ज लागू किए हैं। बांग्लादेश को छोड़कर सार्क देशों के लिए उड़ानों पर 24 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगेगा, जबकि पश्चिम एशिया के मार्गों पर 50 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगेगा। चीन और दक्षिण-पूर्वी एशियाई गंतव्यों (सिंगापुर को छोड़कर) के लिए उड़ानों पर 100 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगेगा, जबकि सिंगापुर जाने वाली उड़ानों पर 60 डॉलर का शुल्क लगेगा। अफ्रीका जाने वाले मार्गों पर 130 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगेगा, जबकि ब्रिटेन सहित यूरोप जाने वाली उड़ानों पर 205 डॉलर का शुल्क लगेगा।

इसके अलावा, एयरलाइन ने कहा कि नॉर्थ-अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जाने वाली लंबी दूरी की उड़ानों पर यात्रियों को 280 डॉलर का शुल्क देना है। एयर इंडिया ने बयान में कहा, अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर लगाए गए फ्यूल सरचार्ज अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए जेट ईंधन की कीमतों में हुई भारी वृद्धि की भरपाई नहीं कर सकते हैं। इस कारण एयर इंडिया इस बढ़ी हुई लागत का एक बड़ा हिस्सा वहन करना जारी रखे हुए है।

शॉपिंग करते-करते फुल चार्ज हो जाएगी आपकी मोबाइल, यहां खुला पहला सुपरचार्जिंग स्टेशन, सिर्फ 15 मिनट में मिलेगी इतनी रेंज

मुंबई, एजेंसी। दिग्गज अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला भारतीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है। पिछले साल जुलाई में अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार 'मॉडल वाई' को भारत में लॉन्च करने के बाद अब कंपनी अपने चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार कर रही है। इसी कड़ी में टेस्ला ने नवी मुंबई में अपना नया सुपरचार्जिंग स्टेशन शुरू किया है। इस नए स्टेशन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे एक मॉल के अंदर बनाया गया है, जिससे अब कार मालिक शॉपिंग और मनोरंजन के साथ-साथ अपनी गाड़ी को आसानी से चार्ज कर सकेंगे।

मॉल की पार्किंग में मिलेगी फास्ट चार्जिंग की सुविधा

कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, यह नया सुपरचार्जिंग स्टेशन नवी मुंबई के नेक्सस सीवुड्स मॉल में स्थापित किया गया है। भारत में टेस्ला का यह पहला 'इन-मॉल' चार्जिंग स्टेशन है, जिसे मॉल के बी-1 पार्किंग एरिया में बनाया गया है। इस नई सुविधा के तहत कुल 8 चार्जर लगाए गए हैं, जो आसपास के टेस्ला कार मालिकों के लिए एक बड़ी राहत साबित होंगे। इससे पहले कंपनी गुरुग्राम, दिल्ली

और मुंबई के अन्य हिस्सों में अपने चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर चुकी है। टेस्ला अब पूरे देश में अपने सुपरचार्जर नेटवर्क को उन जगहों पर तेजी से बढ़ा रही है जहां लोग अपना खाली समय बिताते हैं, जैसे- हाईवे के रेस्ट स्टॉप, फूड कोर्ट और शॉपिंग मॉल।

महज 15 मिनट में 275 किलोमीटर तक दौड़ने के लिए तैयार

इस नए चार्जिंग स्टेशन को ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यहां 4 वी-4 सुपरचार्जर (डीसी चार्जिंग) लगाए गए हैं, जो 250 द्यङ्घ तक की तूफानी स्पीड से कार को चार्ज करते हैं। इसके अलावा, 11 द्यङ्घ पावर वाले चार डेस्टिनेशन चार्जर भी मौजूद हैं। कंपनी का दावा है कि इस पावरफुल सुपरचार्जर की मदद से 'मॉडल वाई' इलेक्ट्रिक कार को महज 15 मिनट चार्ज करने पर ही लगभग 275 किलोमीटर तक की बेहतरीन रेंज हासिल की जा सकती है।

मोबाइल ऐप से कंट्रोल और पॉप-अप स्टोर का शानदार अनुभव

टेस्ला अपने यूजर्स को एक बेहद एडवांस इकोसिस्टम दे रही है। टेस्ला के मोबाइल ऐप के जरिए कार मालिक न सिर्फ अपना नजदीकी चार्जिंग स्टेशन ढूंढ सकते हैं, बल्कि बैटरी को प्री-कंडीशन करने के साथ-साथ चार्जिंग स्टेटस की निगरानी और पेमेंट भी एक ही जगह से कर सकते हैं। इसके साथ ही, भारत में अब टेस्ला के नेटवर्क में 20 सुपरचार्जर और 14 डेस्टिनेशन चार्जर शामिल हो गए हैं। चार्जिंग स्टेशन के अलावा कंपनी ने नेक्सस सीवुड्स मॉल के एट्रियम में एक शानदार पॉप-अप स्टोर भी खोला है। यहां ग्राहक 59.89 लाख रुपये की शुरुआती कीमत वाली 'मॉडल वाई' को करीब से देख सकते हैं, उसकी नई तकनीक को समझ सकते हैं और टेस्ट ड्राइव का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं।

यूपी-बिहार जाने वालों की हो गई बल्ले-बल्ले, रेलवे ने खोल दिया खजाना, अब कंफर्म टिकट के साथ आराम से जाएं घर

नई दिल्ली, एजेंसी। गर्मी की छुट्टियों में दिल्ली, मुंबई और पुणे जैसे महानगरों से उत्तर प्रदेश और बिहार की तरफ लौटने वाले यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में ट्रेनों में पैर रखने की जगह नहीं मिलती और कंफर्म टिकट पाना किसी जंग जीतने से कम नहीं होता। यात्रियों की इसी बड़ी परेशानी को दूर करने और उनके सफर को आरामदायक बनाने के लिए भारतीय रेलवे ने एक शानदार कदम उठाया है। रेलवे ने लोगों की सुविधा के लिए कई नई समर स्पेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है, जिससे अब प्रवासी बिना किसी टेंशन के अपने गांव-घर पहुंच सकेंगे।

दानापुर और समस्तीपुर रूट पर मिली बंपर राहत

पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सरस्वती चंद्र ने इस बड़ी राहत की जानकारी देते हुए बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान स्टेशनों पर होने वाली अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यह अहम फैसला लिया है। रेलवे द्वारा खास तौर पर

पुणे और मुंबई से बिहार के दानापुर और समस्तीपुर के लिए इन समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू किया जा रहा है।

इन ट्रेनों के चलने से यूपी और बिहार के लाखों प्रवासियों, छात्रों और दिहाड़ी मजदूरों को गर्मी की छुट्टियों में घर जाने में बहुत बड़ी सहूलियत मिलेगी।

पुणे-दानापुर के बीच रोज दौड़ेगी स्पेशल ट्रेन

रेलवे ने यात्रियों के लिए गाड़ी संख्या 01449 और 01450 पुणे-दानापुर-हडपसर (पुणे) स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। डीडीयू, प्रयागराज छिवकी, जबलपुर और भुसावल के रास्ते चलने वाली यह ट्रेन 15 जुलाई 2026 तक हर रोज अपनी सेवाएं देगी। गाड़ी संख्या 01449 पुणे से दोपहर 15.30 बजे रवाना होकर बक्सर और आरा रुकते हुए तीसरे दिन दानापुर पहुंचेगी। इसी तरह वापसी में गाड़ी संख्या 01450 दानापुर-हडपसर स्पेशल 17 जुलाई 2026 तक दानापुर से सुबह 05.00 बजे खुलकर अगले दिन शाम को हडपसर (पुणे) पहुंचेगी।

लोकमान्य तिलक से दानापुर का सफर भी हुआ आसान

बिहार जाने वाले यात्रियों की भारी मांग को देखते हुए रेलवे ने गाड़ी संख्या 01143 और 01144 लोकमान्य तिलक-दानापुर-लोकमान्य तिलक स्पेशल ट्रेन भी शुरू की है। यह ट्रेन 15 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन चलाई जाएगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनल से यह सुबह 10.30 बजे चलकर अगले दिन डीडीयू, बक्सर और आरा होते हुए शाम 18.45 बजे दानापुर पहुंचेगी। वापसी में दानापुर से यह ट्रेन 16 जुलाई 2026 तक रात 21.30 बजे खुलेगी और तीसरे दिन सुबह 07.45 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी।

समस्तीपुर के यात्रियों को मिली साप्ताहिक ट्रेन की सौगात

मुंबई से समस्तीपुर जाने वालों के लिए भी रेलवे ने खास इंतजाम करते हुए साप्ताहिक गाड़ी संख्या 01043 और 01044 शुरू की है। यह ट्रेन 21 अप्रैल से 14 जुलाई 2026 तक हर मंगलवार को लोकमान्य तिलक से दोपहर 12.15 बजे चलेगी और दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर होते हुए रात 23.45 बजे समस्तीपुर पहुंचेगी। वहीं, वापसी में गाड़ी संख्या 01044 समस्तीपुर से 23 अप्रैल से 16 जुलाई 2026 तक हर गुरुवार को तड़के 03.00 बजे रवाना होकर अगले दिन शाम 16.25 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनल पहुंचेगी।

अमेरिका में जाति विवाद गहराया: भारतीय और हिंदू समुदाय को निशाना बनाने का आरोप, एचएएफ ने अदालत का किया रुख

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जाति आधारित भेदभाव को लेकर विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (HAF) ने कैलिफोर्निया की नागरिक अधिकार नियामक एजेंसी के खिलाफ नौवीं सर्किट अपील न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। संगठन का आरोप है कि एजेंसी ने गलत तरीके से जाति को हिंदू धर्म से जोड़ते हुए भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदायों को निशाना बनाया है।

6 अप्रैल को दाखिल जवाबी याचिका में एचएएफ ने अदालत से अनुरोध किया है कि निचली अदालत द्वारा उसके मुकदमे को खारिज करने में जिन प्रक्रियात्मक बाधाओं का हवाला दिया गया था, उन्हें हटाया जाए। संगठन का कहना है कि जिला अदालत ने उसके दावों के मूल मुद्दों पर विचार किए बिना ही मामला

खारिज कर दिया।

क्यों हो रहा यह विवाद?

यह पूरा विवाद कैलिफोर्निया नागरिक अधिकार विभाग (CRD) द्वारा सिस्को सिस्टम्स और उसके दो प्रबंधकों के खिलाफ दर्ज शिकायत से जुड़ा है। इस शिकायत में जाति के आधार पर भेदभाव के आरोप लगाए गए थे और यह कार्रवाई कैलिफोर्निया के फेयर एम्प्लॉयमेंट एंड हाउसिंग एक्ट के तहत की गई थी। सीआरडी ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि उसने सिस्को और उसके पूर्व प्रबंधकों के खिलाफ जाति-आधारित भेदभाव का मामला दर्ज किया है।

एचएएफ का आरोप है कि सीआरडी ने अपनी कार्रवाई में जाति को हिंदू धर्म और भारतीय मूल के कर्मचारियों से जोड़ने की कोशिश की। संगठन के मुताबिक, एजेंसी की शिकायत में जाति शब्द का बार-बार इस्तेमाल किया गया और यह धारणा बनाई गई कि भारतीय कर्मचारियों के बीच जाति-आधारित भेदभाव होता है, जिसे कंपनी को रोकना चाहिए था।

एजेंसी की कार्रवाई नस्लवादी और तथ्यहीन धारणाओं पर आधारित है

संगठन ने यह भी कहा कि एजेंसी की प्रस्तुति भारतीयों और हिंदुओं के बारे में नस्लवादी और तथ्यहीन धारणाओं पर आधारित है। एचएएफ ने सीआरडी के एक पुराने बयान का हवाला दिया, जिसमें भारत की जाति व्यवस्था को कठोर हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम बताया गया था। हालांकि, बाद में विभाग ने इस विवादित वाक्यांश को हटा दिया और मामले को अप्रासंगिक बताया, लेकिन संगठन का कहना है कि इससे मूल समस्या खत्म नहीं होती।

फाउंडेशन का कहना है कि हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम जैसे शब्द हटाने के बावजूद सीआरडी अब भी कंपनी के भारतीय, दक्षिण एशियाई और हिंदू कर्मचारियों पर जाति से जुड़ी नीतियां लागू करने की कोशिश कर रहा है।

इस मामले का असर केवल एक केस तक सीमित नहीं

एचएएफ की सीनियर लीगल डायरेक्टर निधि शाह ने चेतावनी दी कि इस मामले का असर सिर्फ एक केस तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंदू अमेरिकी, भारतीय अमेरिकी और दक्षिण एशियाई अमेरिकी समुदाय इस मुद्दे को लेकर चिंतित हैं।

शाह ने आरोप लगाया कि नागरिक अधिकार विभाग अपनी प्रवर्तन शक्तियों का इस्तेमाल उन्हीं अल्पसंख्यक समूहों को अलग करने के लिए कर रहा है, जिनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उस पर है। उन्होंने कहा कि कैलिफोर्निया के लोग, नियोक्ता और कारोबारी इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एजेंसी जाति के आधार पर कार्रवाई करते हुए इसका दोष हिंदू धर्म पर डाल रही है और यह आशंका जताई कि भविष्य में और हिंदू संगठनों या व्यक्तियों को निशाना बनाया जा सकता है।

ट्रंप की ईरान को नई धमकी : 'पूर्ण समझौते तक होर्मुज के आसपास अमेरिकी सेना रहेगी', संघर्ष विराम पर भी दी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि जब तक 'असली समझौता' पूरी तरह से लागू नहीं हो जाता, तब तक अमेरिकी सेना और उसके घातक हथियार ईरान को घेरे रखेंगे। उन्होंने दो टूक कहा कि यदि ईरान ने अपने वादे को तोड़ा, तो इसके परिणाम बहुत गंभीर होंगे।

अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में एक अस्थायी सीजफायर की घोषणा के बाद एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ा संदेश देते हुए चेतावनी दी है कि अगर यह समझौता टूटता है, तो ईरान के खिलाफ पहले से कहीं अधिक घातक कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम में जीत किसकी? पूर्व राजनयिक बोले- युद्ध का कोई विजेता नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व राजनयिक अशोक सज्जनहार ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए अस्थायी युद्धविराम पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि ऐसे किसी भी अस्थायी समझौते की स्थिति में, सभी पक्ष अपनी जीत का दावा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस युद्ध विराम में भी यही देखने को मिला है, जहां ईरान, अमेरिका और यहां तक कि इस्राइल भी अपनी जीत का दावा कर रहा है, जबकि वास्तव में युद्ध का कोई स्पष्ट विजेता नहीं है।

एएनआई से बात करते हुए सज्जनहार ने कहा 'जब भी कोई अस्थायी समझौता होता है, तो सभी पक्ष यह दावा करते हैं कि उन्होंने जीत हासिल की है। ईरान दावा करेगा कि वह जीता है। संयुक्त राज्य अमेरिका को यह दावा करना होगा कि वह जीता है, और इस्राइल भी यही कहेगा।' उन्होंने आगे कहा शामिल

सभी पक्ष निश्चित रूप से यह कहेंगे कि वे जीते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय, पर्यवेक्षकों, विश्लेषकों और टिप्पणीकारों के लिए यह देखना बाकी है कि वास्तव में स्थिति क्या है। जहां तक युद्धों का सवाल है, उनमें कोई विजेता नहीं होता।

इस बीच, नेपाल ने दो-सप्ताह के युद्धविराम समझौते का स्वागत किया है। नेपाल सरकार ने इसे पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में एक रचनात्मक कदम बताया है और बातचीत, कूटनीति तथा मतभेदों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अवसर प्रदान करने वाला बताया है।

नेपाल सरकार ने एक बयान में कहा नेपाल इस विकास को क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम के रूप में देखता है, साथ ही विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में अपने निरंतर रुख को दोहराता है। सरकार संघर्ष के मानवीय परिणामों पर भी चिंता व्यक्त करती है और नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देती है।

वार्ता पर भी मंडरा रहा संकट

दूसरी ओर, लेबनान में इस्राइल के निरंतर सैन्य अभियान ने अस्थायी युद्ध विराम को खतरे में डाल दिया है। ईरान ने अमेरिका-इस्राइल पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। तेहरान ने इस सप्ताह के अंत में इस्लामाबाद में होने वाली वार्ता से बाहर निकलने की धमकी भी दी है।

ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ, जो इस्लामाबाद में बातचीत के लिए तेहरान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे, ने इस्राइल पर उस 10-सूत्रीय प्रस्ताव के तीन प्रमुख खंडों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है जिस पर आगे की बातचीत शुरू करने के लिए अस्थायी युद्ध विराम पर सहमति हुई थी। गालिबफ द्वारा अमेरिका-ईरान पर उल्लंघन के आरोप वाले तीन खंडों में लेबनान में युद्धविराम का उल्लंघन, ईरानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन और ईरान के परमाणु संवर्धन के अधिकार से इनकार शामिल है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत को मिली चार अहम जिम्मेदारियां, सतत विकास प्रणाली में निभाएंगे बड़ी भूमिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत को बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली है। भारत ने आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC) से जुड़े चार अहम निकायों के चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल की है। इन सभी चुनावों में भारत का चयन सर्वसम्मति से हुआ, जो वैश्विक मंच पर उसकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। इन चुनावों में भारत को विकास के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग , गैर-सरकारी संगठनों की समिति और कार्यक्रम एवं समन्वय समिति में चुना गया है।

इसके साथ ही, भारत की वरिष्ठ राजनयिक रहीं प्रीति सरन को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की समिति (CESCR) में फिर से चुना गया है। वह इससे पहले इस समिति के सत्र की अध्यक्षता भी कर चुकी हैं। प्रीति सरन का 36 वर्षों का लंबा कूटनीतिक अनुभव रहा है,

जिसमें उन्होंने वियतनाम में भारत की राजदूत के रूप में सेवा दी, साथ ही टोरंटो, जेनेवा, ढाका, काहिरा और मॉस्को जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर भी तैनाती संभाली।

सीईएससीआर क्या है?

सीईएससीआर में 18 स्वतंत्र विशेषज्ञ शामिल होते हैं, जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय समझौते के पालन की निगरानी करते हैं। यह समिति भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, पानी और स्वच्छता जैसे बुनियादी अधिकारों से जुड़े मामलों पर नजर रखती है। वहीं, एनजीओ समिति संयुक्त राष्ट्र में सिविल सोसाइटी संगठनों की भागीदारी तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग विकास और सतत भविष्य से जुड़े मुद्दों पर दिशा तय करता है, जबकि कार्यक्रम एवं समन्वय समिति संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के कामकाज में तालमेल सुनिश्चित करती है।

ECOSOC क्या है?

गौरतलब है कि ECOSOC संयुक्त राष्ट्र की उस केंद्रीय व्यवस्था का हिस्सा है, जो सतत विकास के तीनों आयाम आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय को आगे बढ़ाने का काम करती है। यह सफलता इन वैश्विक मुद्दों पर भारत की बढ़ती भूमिका और प्रभाव को भी रेखांकित करती है।

बंगाल एसआईआर: आतंकी मामलों की जांच करने वाली एनआईए ने शुरू की मालदा जज घेराव केस की जांच, दर्ज की 12 एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर हलचल मची हुई है, वहीं वोटर लिस्ट में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर भी खासी गहमागहमी दिख रही है। इस बीच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कल बुधवार को पश्चिम बंगाल के मालदा में SIR के काम के लिए तैनात न्यायिक अधिकारियों के घेराव की जांच के लिए 12 एफआईआर दर्ज कर लिए और जांच शुरू कर दिया। यह कदम सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद उठाया गया।

एनआईए ने देर रात जारी बयान में कहा कि उसने 6 अप्रैल के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन के तहत, 'पश्चिम बंगाल के मालदा में SIR से जुड़े काम के लिए तैनात न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा और संबंधित कानून-व्यवस्था की घटनाओं से जुड़े मामलों की जांच के लिए 12 एफआईआर दर्ज की गई। इसमें मालदा जिले के मोथाबाड़ी पुलिस स्टेशन की 7 तो कालियाचक पुलिस

स्टेशन की 5 FIR को फिर से दर्ज किया है।"

सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए को सौंप दी थी जांच

जांच एजेंसी की ओर से जारी बयान में कहा गया, "एनआईए की जांच टीमें इन मामलों की गहन जांच के लिए पहले ही मालदा पहुंच चुकी हैं।" इससे पहले शीर्ष अदालत सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एनआईए को मालदा में 7 न्यायिक अधिकारियों के घेराव से जुड़े मामलों को अपने हाथ में लेने का आदेश दिया था। तब कोर्ट ने यह पाया था कि नौकरशाही की विश्वसनीयता कम हो रही है और पश्चिम बंगाल सचिवालय तथा सरकारी कार्यालयों में राजनीतिक दखल तेजी से बढ़ रहा है। मुख्य न्यायाधीश (CJI) जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी पूर्ण शक्ति का इस्तेमाल करते हुए, 1 अप्रैल की इस घटना से जुड़े 12 केस का ट्रांसफर कर दिया। कोर्ट ने कहा कि एनआईए इस घटना के बारे में लोकल पुलिस द्वारा दर्ज की गई 12 एफआईआर की जांच अपने हाथ में ले, भले ही एफआईआर किसी भी प्रोविजन के तहत दर्ज की गई हो।

एनआईए के तहत अपराध नहीं, फिर भी होगी जांच

दूसरे शब्दों में, एनआईए एक्ट के तहत यह अपराध लगते हैं या नहीं, जांच एजेंसी इन मामलों की जांच कर सकती है। यह निर्देश यह देखते हुए दिया गया कि राज्य पुलिस के सदस्यों के खिलाफ गंभीर आरोप थे। सुप्रीम कोर्ट ने तब यह साफ किया कि अगर जांच के दौरान यह पाया गया कि और भी जुर्म किए गए हैं, अपराध का दायरा बड़ा है, या इसमें और लोग शामिल हैं, तो जांच एजेंसी को और भी FIR दर्ज करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जांच रिपोर्ट कोलकाता में एनआईए कोर्ट में फाइल की जाए। तब तक, एनआईए को समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट को स्टेटस रिपोर्ट जमा करते रहने का निर्देश दिया गया।

घटना पर नाराज सुप्रीम कोर्ट, DGP से मंगवाई माफी

बेंच ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के एक पत्र का स्वतः संज्ञान लिया था। इस पत्र में उस रात की घटना के बारे में जानकारी दी गई थी, जिसमें 3 महिलाओं और 5 साल के एक बच्चे सहित कई न्यायिक अधिकारियों को, 9 घंटे से अधिक समय तक भीड़ ने बिना भोजन या पानी के बंधक बनाकर रखा था। यह घटना मालदा जिले के कालियाचक इलाके में SIR प्रक्रिया के दौरान हुई थी। आदेश के अनुसार, 7 न्यायिक अधिकारियों को "असामाजिक तत्वों" ने घेर लिया था। इस मसले पर शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला को भी कड़ी फटकार लगाई और उन्हें निर्देश दिया कि वे घटना वाले दिन हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के फोन कॉल नहीं उठाने के लिए उनसे माफी मांगें। साथ ही बेंच ने पश्चिम बंगाल पुलिस को यह कहते हुए कि इस केस में स्थानीय पुलिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता, निर्देश दिया कि वह गिरफ्तार किए गए सभी 26 आरोपियों से पूछताछ के लिए केस से जुड़े कागजों के साथ एनआईए को सौंप दे।

मुख्य आरोपी पहले ही गिरफ्तार : WB पुलिस

आदेश में एनआईए को घटना के मुख्य सरगना से भी पूछताछ करने का निर्देश दिया गया। साथ ही यह आशंका भी जताई कि यह एक सुनियोजित और किसी मकसद से की गई घटना हो सकती है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (DGP) की ओर से कोर्ट में पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने बताया कि मुख्य सरगना (मोफाकरुल इस्लाम और मौलाना मुहम्मद शाहजहां अली कादरी) को स्थानीय पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है और वे हिरासत में हैं। सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा था कि 3 घटनाओं में सीधे तौर पर न्यायिक अधिकारी शामिल थे। एक घटना में, एक न्यायिक अधिकारी को अपनी जगह तक पहुंचने से रोका गया, जबकि दूसरी घटना में जगह पर ही न्यायिक अधिकारी का घेराव किया गया। न्यायिक अधिकारी से जुड़ी घटनाओं के संबंध में कुल 3 एफआईआर सीधे तौर पर दर्ज की गई, जबकि 9 और FIR आसपास के इलाकों में घटनाओं से संबंधित हैं।

कौन हैं ये आरोपी

तब उन्होंने कहा था कि राज्य पुलिस की ओर से 12 FIR दर्ज की गई हैं, जिनकी जांच एनआईए को करने की अनुमति दी जा सकती है। अब तक 24 आरोपियों की पहचान उपद्रवी के तौर पर हुई है, 5 का क्रिमिनल इतिहास रहा है, साथ ही 24 संदिग्ध लोग पार्टी सदस्य हैं। इन घटनाओं के संबंध में कुल 432 लोगों की पहचान की गई है, और कॉल डिटेल रिकॉर्ड खंगाली जा रही है। राजू ने यह भी बताया था कि इस केस की जांच अभी लोकल पुलिस कर रही है क्योंकि ये अपराध एनआईए एक्ट के तहत शेड्यूल्ड अपराधों की कैटेगरी में नहीं आते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पश्चिम बंगाल के साथ-साथ ओडिशा और झारखंड के करीब 700 न्यायिक अधिकारियों को राज्य में SIR प्रक्रिया के लिए तैनात किया गया है, ताकि पश्चिम बंगाल की वोटर लिस्ट से बाहर रखे गए लोगों की 60 लाख से अधिक आपत्तियों का समाधान किया जा सके।

मटका किंग ट्रेलर आउट, जुआ, अमीरी, धोखा और मटके का खेल, विजय वर्मा इस बार चलेंगे बड़ा दांव

प्राइम वीडियो ने अपने आने वाले ओरिजिनल ड्रामा मटका किंग का शानदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है। अभय कोरान्ने द्वारा लिखित इस सीरीज को नागराज पोपटराव मंजुले ने बनाया, लिखा और डायरेक्ट किया है। ट्रेलर 1960 के दशक के तेजी से बदलते बॉम्बे की एक दिलचस्प कहानी की झलक दिखाता है, जहां एक महत्वाकांक्षी कपास व्यापारी (कॉटन ट्रेडर) मुश्किलों से लड़ते हुए मटका नाम का एक निडर जुआ साम्राज्य खड़ा करता है और अमीरों के इस शौक को पूरे देश का जुनून बना देता है।

मटका किंग में विजय वर्मा लीड रोल में हैं, साथ ही कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव, भूपेंद्र जादावत और गुलशन ग्रोवर भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अलावा भारत जाधव, गिरीश कुलकर्णी, जेमी लीवर, किशोर कदम, साइरस साहूकार, अर्पिता सेठिया, संभाजी तांगडे, इश्तियाक खान, संजीव जोटांगिया और सिमरन अश्विनी भी अहम रोल निभा रहे हैं। यह सीरीज 17 अप्रैल को भारत और दुनिया भर के 240 देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

ट्रेलर ब्रिज भट्टी (विजय वर्मा) की मटके से बदलती दुनिया में ले जाता है, जो एक शातिर और होनहार कॉटन ट्रेडर है और 1960 के दशक के आजाद भारत के बॉम्बे में एक बेहतर ज़िंदगी के सपने देखता है। एक दमदार आइडिया के साथ, वह जुए को अमीरों के शौक से बदलकर कुछ बहुत बड़ा बना देता है और यहीं से जन्म होता है मटका का। लेकिन दांव जितना बड़ा होता है, अंजाम उतना ही खतरनाक होता है, और जो एक सपने के रूप में शुरू हुआ था, वह सब कुछ तबाह भी कर सकता है। तेज रफ़्तार और रोंगटे खड़े कर देने वाला यह ट्रेलर जुनून, ताकत और उसकी कीमत की कहानी बयां करता है, जो आपके मन में एक ही सवाल छोड़ जाता है: क्या मटका किंग का सपना पूरा होगा या सब कुछ बिखर जाएगा? 1960 के बॉम्बे को एक नए अंदाज में अनुभव करें, जो सपनों, अरमानों और मटका किंग से भरा है, जिसका प्रीमियर 17 अप्रैल को सिर्फ प्राइम वीडियो पर होगा।

विराज भट्टी का किरदार निभा रहे विजय वर्मा ने बताया, मटका किंग में काम करना एक रोमांचक सफर रहा है। इस दुनिया और इस किरदार को पर्दे पर उतारना चुनौतीपूर्ण भी था और दिल को सुकून देने वाला भी, खासकर एक ऐसे दौर की पृष्ठभूमि में जिसे मैंने पहले कभी एक्सप्लोर नहीं किया था। साथ ही, दहाड़ और मिर्जापुर के बाद फिर से एक प्राइम ओरिजिनल में वापसी करना शानदार है।

हमारे क्रिएटर्स नागराज मंजुले और अभय कोरान्ने ने मुझे ब्रिज की दुनिया में गहराई से उतरने की पूरी आज़ादी दी, और कृतिका, सई, गुलशन ग्रोवर जैसे टैलेंटेड को-स्टार्स और पूरी कास्ट के साथ काम करने से यह अनुभव और भी यादगार बन गया। असल में मटका किंग महत्वाकांक्षा, ताकत और कामयाबी के लिए चुकाई जाने वाली कीमत की कहानी है, जो मुझे लगता है कि हर किसी को पसंद आएगी और भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया के दर्शकों को बांधे रखेगी। मैं बस उस पल का इंतजार कर रहा हूं, जब 17 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर यह सीरीज रिलीज होगी और लोग इसे देखेंगे।

'धुरंधर' की सक्रिप्ट चोरी मामले में कोर्ट ने आदित्य धर को दी राहत, फिल्ममेकर संतोष कुमार के आरोप पर लगाई रोक

आदित्य धर द्वारा निर्देशित 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए कीर्तिमान स्थापित किए। लेकिन फिल्म मेकर संतोष कुमार ने आदित्य धर पर 'धुरंधर' के लिए उनकी कहानी चुराने के आरोप लगाए। आरोप के बार-बार दोहराने पर आदित्य धर ने मानहानि की बात कहते हुए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अब बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को अंतरिम आदेश पारित करते हुए संतोष कुमार को आदित्य धर पर लगाए गए सक्रिप्ट चोरी के आरोप को दोहराने से रोक दिया।

16 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

आदित्य धर ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया कि संतोष कुमार के बार-बार लगाए गए आरोप मानहानिकारक हैं। ये उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हैं। जस्टिस आरिफ डॉक्टर ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए कहा कि आदित्य धर को प्रथम दृष्टया राहत पाने का मामला बनता है। अदालत ने कहा, 'अगली सुनवाई तक संतोष कुमार को आदित्य धर द्वारा दायर मुकदमे में ऐसे शब्दों और टिप्पणियों तथा इसी तरह के अन्य सभी आरोपों को दोहराने से रोका जाएगा।' मामले की अगली सुनवाई अब 16 अप्रैल को होगी।

कैटी पेरी ने जस्टिन ट्रूडो के साथ शेयर की क्यूट तस्वीर, लिखा, 'कभी नहीं सोचा था कि कर्म...'

कैंप स्टाइल के लिए जानी जाने वाली कैटी पेरी ने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें शेयर की हैं लेकिन सभी फैंस की निगाहें जस्टिन ट्रूडो के साथ उनकी एक खास तस्वीर पर टिकी।

अपने गानों से सभी का जिल जीत चुकीं अमेरिकी सिंगर कैथरीन एलिजाबेथ उर्फ कैटी पेरी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कुछ तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल जीत लिया है। कैटी ने अपनी इस नई पोस्ट में कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ अपनी खास तस्वीरें शेयर कर फैंस को फिर से सरप्राइज कर दिया है।

कैटी ने शेयर की तस्वीरें

कैटी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'कभी नहीं सोचा था कि कर्म इतना फलदायी हो सकता है।' इस पोस्ट में कैटी की कई खूबसूरत तस्वीरें हैं। जिसमें ट्रूडो के साथ क्यूट तस्वीर, अपनी बेटी के साथ प्यारे पल को भी शेयर किया और समुद्र किनारे बाइक चलाते हुए वीडियो और कुछ मस्ती भरी तस्वीरें भी हैं।

कैटी और ट्रूडो का रिश्ता

पिछले कुछ महीनों से कैटी और ट्रूडो को कई बार साथ देखा गया है। जुलाई में मॉन्ट्रियल में दोनों को साथ देखकर डेटिंग की खबरें शुरू हुईं। दिसंबर 2025 में उन्होंने अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर लिया था। दोनों लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप निभा रहे हैं। कैटी अमेरिका में रहती हैं और ट्रूडो कनाडा में। दोनों अपने बच्चों की खुशी और स्थिरता को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं।

एनएनआई की खबर के अनुसार, 'बच्चों की स्थिरता उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। जब भी समय मिलता है, वे एक-दूसरे से मिलते हैं।' कैटी ने हाल ही में अपना 'Lifetimes Tour' पूरा किया, जिसमें उन्होंने करीब 100 शो किए। इस दौरान ट्रूडो अक्सर उनके शो में मिलने जाते रहे।

इस पोस्ट से पहले कैटी पेरी ने एक विंटर थीम वाला फोटो कैरोसेल शेयर किया था, जिसमें वह और जस्टिन ट्रूडो साथ नजर आईं। बर्फीले पहाड़ों के बीच शेयर की गई इन तस्वीरों के साथ कई सेल्फी भी शेयर की थीं। कैटी ने कैप्शन में प्यार और बदलाव की बात लिखी थी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com